घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 84- शुक्रवार 23- जनवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

जम्मू में सेना की गाड़ी 400-फीट गहरी खाई में गिरी,10 जवानों की मौत

श्रीनगर,22 जनवरी 2026। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को सेना की गाड़ी 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 10 जवानों की मौत हो गई, जबकि 11 को एयरलिफ्ट कर उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल भेजा गया है। सेना के अधिकारी ने बताया कि गाड़ी में 21 जवान सवार थे। सभी डोडा से ऊपरी पोस्ट पर जा रहे थे। भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप के पास ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया।

मृत जवानों के नाम

जोबन जीत,सुधेर नरवाल,मोनू,मोहित, एचआर कंवर,सिमरन,पी लोरा,सुलिंदर, अजय लोफरा और स्वर्ण नाग पाल।

घायल जवानों के नाम

साहिल,जेपी सिंह,नीरज,अनूप,नागिस, अमन,शंकर,संदीप,जोबनप्रीत,राकेश और अभिमन्यु के रूप में हुई है। सभी घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा

जम्मू-कश्मीर के डोडा में हुए सड़क हादसे से मन अत्यंत व्यथित है। इस हादसे में हमने अपने जिन वीर जवानों को खोया है, उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।

उपराज्यपाल बोले...हादसे से दुःखी हूं...

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा...कि इस हादसे से दुखी हूं। इस घड़ी में पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। घायल सैनिकों को एयरलिफ्ट करके अस्पताल पहुंचाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को बेहतरीन इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा...

दुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायल सैनिकों को मेडिकल केयर मिल रही है और सबसे अच्छा इलाज पक्का करने के लिए सभी जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा...

सेना का वाहन गहरी खाई में गिरने की वजह से कई जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें।

राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि डोडा से आई दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना करती हूं।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने हादसे पर कहा कि आर्मी की गाड़ी के एक्सीडेंट के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। हर मुमकिन मेडिकल मदद दी जा रही है। हमारे बहादुर जवानों के लिए गहरी श्रद्धा दिखाने के लिए कोई भी शब्द काफी नहीं है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अब्दुल्ला ने त्वरित बचाव और निकासी प्रयासों की भी सराहना की।

झारखंड में 1 करोड़ के इनामी समेत 15 नक्सली ढेर

सारंडा जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान एनकाउंटर

झारखंड,22 जनवरी 2026। झारखंड में मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा समेत 15 नक्सली ढेर हुए हैं। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार सुबह से सुरक्षाबलों और भाकपा (माओवादी) नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। आसपास का इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा। जानकारी के मुताबिक झारखंड पुलिस, कोबरा और सेंट्रल पुलिस फोर्स के जवानों की सर्चिंग के दौरान माओवादी के शीर्ष नेता अनल दा उर्फ़ पतिराम मांझी के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई। उसके दस्ते में 14 से अधिक नक्सली हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने अनल दा समेत 15 नक्सलियों को मार गिराया है। सर्च अभियान के दौरान 15 डेडबॉडी के साथ भारी मात्रा में हथियार एवं दैनिक उपयोग के सामान बरामद किए गए।

एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़

सुरक्षाबल नक्सल विरोधी अभियान के तहत सारंडा के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान जंगल में पहले से घात लगाए बैठे नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाल लिया, जिसके बाद मुठभेड़ तेज हो गई।

बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन जारी

सारंडा का इलाका दुर्गम पहाड़ियों और घने जंगलों से घिरा हुआ है, जहां नक्सलियों की लंबे समय से

गतिविधियां रही हैं। जंगल के भीतर बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पूरे क्षेत्र को चारों ओर से घेर लिया गया है। कोल्हान प्रमंडल के छठ्ठल अनुरंजन किस्पोट्टा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। एक करोड़ का इनामी अनल दा उर्फ तूफान का असली नाम पतिराम मांझी उर्फ पतिराम मरांडी उर्फ रमेश था। वो गिरिडीह जिले के पीरटांड थाना इलाके के झरहाबाले गांव का रहने वाला था। उसके पिता का नाम टोटो मरांडी उर्फ तारू मांझी है। अनल दा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) यानी सीपीआई (माओ) का सेंट्रल कमेटी मेंबर था। उसे माओवादियों का रणनीतिकार माना जाता था, जो संगठन के लिए बड़ी योजनाएं बनाता था। वो 1987 से नक्सली के तौर पर एक्टिव था और लंबे समय से सारंडा और गिरिडीह के जंगलों में सक्रिय था।

मुंबई समेत 15 नगर निगम में महिला महापौर होंगी

उद्धव गुट का आरोप...बीएमसी के लिए नियम बदले

मुंबई,22 जनवरी 2026। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से मुंबई समेत 15 में महिलाएं मेयर होंगी। गुरुवार को मुंबई में लॉटरी सिस्टम से इन्हें चुना गया। परभणी नगर निगम पर महिला महापौर को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है। लॉटरी सिस्टम पर शिवसेना नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला लेने के नियम बिना किसी को बताए बदल दिए गए। पिछले दो मेयर सामान्य वर्ग के थे, इसलिए नई मेयर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) या अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग से होना चाहिए था। 29 में से 12 सीटें एसटी, एसटी, ओबीसी कैटेगरी के लिए आरक्षित की गई हैं, जबकि 17 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में महापौर स्ट्र कैटेगरी का होगा। मुंबई में 8वीं बार महिला को यह पद मिलेगा। इससे पहले किशोरी पेडनेकर मेयर थीं। इन नगर निगमों में 15 जनवरी को मतदान हुआ था और रिजल्ट 16 जनवरी को आया था।

लॉटरी के बाद आगे क्या...

मेयर के लिए कैटेगरी रिजर्वेशन के बाद तय तारीख पर उम्मीदवार पर्चा भरेंगे। तारीख का ऐलान बाद में किया जाएगा। मेयर का चुनाव पार्षद करते हैं। इसके नगर निगमों में सदन की विशेष बैठक बुलाई जाएगी। जहां पीठासीन अधिकारी की मौजूदगी में वोटिंग होगी। चुनाव से पहले पार्टियां व्हिप जारी करती हैं। अगर किसी पार्षद

ने अपनी पार्टी के खिलाफ वोट दिया,तो उसकी सदस्यता रद्द हो सकती है।

विपक्ष का दावा...लॉटरी फिक्स थी...

विपक्ष ने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया सत्ताधारी पार्टियों के फायदे के लिए फिक्स की गई थी। लॉटरी ड्रॉ के बाद शिवसेना की मुंबई मेयर पद हासिल करने की उम्मीदें खत्म हो गईं,क्योंकि उसने अपनी उम्मीदें इस बात पर लगाई थीं कि यह पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) की महिला के लिए आरक्षित होगा, क्योंकि उस कैटेगरी की दोनों योग्य उम्मीदवार उद्धव ठाकरे की पार्टी की थीं। ड्रॉ ने शिवसेना की उम्मीदों पर पानी फेर दिया,क्योंकि पिछले हफ्ते नागरिक चुनाव परिणामों के बाद,पूर्व राज्य मुख्यमंत्री और सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा था कि अगर भगवान चाहेंगे तो शहर में उनकी पार्टी का मेयर होगा।

गरीबों, कमजोर तबकों के हक पर हमला है 'वीबी-जी राम जी': राहुल

नई दिल्ली,22 जनवरी 2026। कांग्रेस ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह पर लाए गए विकसित भारत-रोज़गार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी- जी राम जी अधिनियम को ग्रामीण भारत के गरीबों और कमजोर तबकों पर हमला करार दिया है। पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रचनात्मक कांग्रेस द्वारा गुरुवार को जवाहर भवन में आयोजित राष्ट्रीय मनरेगा मजदूर सम्मेलन को संबोधित किया। कांग्रेस के मुताबिक सम्मेलन में देश के 25 राज्यों से 400 से अधिक मनरेगा श्रमिक और कार्यकर्ता शामिल हुए। सम्मेलन में भाग लेने वाले कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र की मिट्टी भी साथ लाए। इन मिट्टियों को मिलाकर जवाहर भवन परिसर में एक पौधा लगाया गया, जिसे मनरेगा और मजदूरों के संघर्ष का प्रतीक

बताया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद रहे। राहुल ने कहा कि मनरेगा को किसी योजना की तरह नहीं, बल्कि गरीबों के अधिकार के रूप में तैयार किया गया था। इसका मकसद था कि जिसे काम चाहिए, उसे सम्मानजनक काम मिले। पंचायत स्तर से योजना चलाई जाए और हर गरीब को रोजगार का अधिकार मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार इस अधिकार को खत्म करना चाहती है।

राहुल ने कहा...मनरेगा में गरीब लोगों को काम करने का अधिकार था

राहुल ने कहा कि मनरेगा गरीबों को अधिकार देने के लिए लाई गई योजना थी। इसका उद्देश्य जरूरतमंदों को काम देना था। यह योजना सरकार के तीसरे स्तर यानी पंचायती राज के माध्यम से चलाई जानी थी। अधिकार शब्द महत्वपूर्ण था। सभी गरीब लोगों को मनरेगा के तहत काम करने का अधिकार था। पीएम मोदी-भाजपा उस कन्सेप्ट को खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा, कुछ साल पहले सरकार 3 काले कृषि कानून लाई थी। लेकिन हम सभी के एकजुट होकर दबाव बनाया और कानूनों को रद्द करवा दिया। नए कानून में केंद्र सरकार काम और पैसा देने का फैसला करेगी और भाजपा शासित सरकारों को हमेशा प्राथमिकता मिलेगा। राहुल ने कहा, पहले जो मजदूरों को मिलता था, वह अब ठेकेदारों और अफसरों को दिया जाएगा।

हमारे पूर्वज धर्म का सत्य जानते थे...मर्यादा अनुशासन और संतुलन राष्ट्र प्रगति की नींव दुनिया के देश स्वार्थ के साथ चल रहे : भागवत

डीडवाना-कुचामन,22 जनवरी 2026। दुनिया के देश आजकल अपने स्वार्थ के साथ चल रहे हैं। हर कोई चाहता है कि मेरा स्वार्थ सिद्ध होना चाहिए, मेरा हित होना चाहिए, मैं बढ़ता रहूं,बाकि लोगों का क्या होगा वो बाद का सवाल है। सभी इसी सोच के साथ चल रहे हैं। लेकिन भारत देश और भारत के लोग कभी भी इस सोच के साथ नहीं चले, न ही चल रहे हैं और न ही चलेंगे, क्योंकि वो धर्म जानते हैं। यह ये बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने डीडवाना-कुचामन जिले के छोटी खाटू कस्बे में जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के 162वें मर्यादा महोत्सव में कहीं। इस दौरान भागवत ने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी।

सब लोग दिखते अलग-अलग,लेकिन मूल में सब एक

मर्यादा महोत्सव में सरसंघचालक ने कहा कि एक महत्वपूर्ण बात हमारे पूर्वजों को पता चली, बाकि दुनिया को पता नहीं चली... वो बात यह है कि हम सब लोग दिखते अलग-अलग हैं,विश्व में सर्व बातें दिखती अलग-अलग हैं,लेकिन मूल में सब एक है।

धर्म के पीछे का सत्य हमारे पूर्वज जानते थे

भागवत ने कहा कि धर्म के पीछे जो सत्य है वो बाकि दुनिया नहीं जानती, हमारे पूर्वज जानते थे। इसलिए सत्य,अहिंसा,अपरिग्रह,ब्रह्मचर्य आदि कई बातें हमारे यहां हैं,बाहर नहीं है। पुस्तकें सबने पढ़ी है। हमारे संतों की पुस्तकें भी उन्होंने पढ़ी है, उनकी भी हम पढ़ते हैं। परंतु प्रत्यक्ष जानना, अनुभव...यह केवल हमारे यहां हुआ,वहां नहीं हुआ।

गायत्री मंत्र जन-जन की चेतना और राष्ट्र परिवर्तन की शक्ति : अमित शाह

हरिद्वार,22 जनवरी 2026। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने सम्पूर्ण मानवता को व्यक्ति निर्माण का मार्ग दिखाया,जो सर्वजन कल्याण के लिए है। भारतवर्ष पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के उपकारों से कभी ऋणमुक्त नहीं हो सकता। हम बदलेंगे,युग बदलेगा का सूत्र ही राष्ट्र परिवर्तन की कुंजी है। केन्द्रीय गृहमंत्री शाह यहां शांतिकुंज,हरिद्वार अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से आयोजित शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने

कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की पावन भूमि पर विशेषकर सप्तर्षि भूमि शांतिकुंज में आकर हजारों वर्षों की तपस्या की ऊर्जा का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के उपकारों से कभी ऋणमुक्त नहीं हो सकता। आचार्यश्री ने गायत्री महामंत्र को जन-जन तक सर्वसुलभ बनाया, वैश्विक मानवतावाद की अवधारणा को सुदृढ़ किया और वैज्ञानिक अध्यात्मवाद को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हम बदलेंगे, युग बदलेगा का सूत्र ही राष्ट्र परिवर्तन की कुंजी है। गायत्री महामंत्र केवल संस्कृत का मंत्र नहीं,बल्कि जप करने वाले साधक के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला जीवन मंत्र है। उन्होंने कहा कि जो भारत और उसकी संस्कृति को समझता है, वह जानता है कि विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान भारतीय संस्कृति में निहित है। समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के रोपित अखिल विश्व गायत्री परिवार रूपी बीज आज एक विशाल वटवृक्ष का स्वरूप धारण कर चुका है, जो विश्वभर के असंख्य लोगों को ज्ञान,संस्कार और सद्भाव की छाया प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गायत्री परिवार केवल एक धार्मिक संस्था नहीं रहा,बल्कि यह सामाजिक,नैतिक एवं आध्यात्मिक नवजागरण का एक व्यापक जनआंदोलन बन चुका है, जो भारत की आध्यात्मिक चेतना को देश की सीमाओं से बाहर ले जाकर विश्व के कोने-कोने तक पहुँचा रहा है। शताब्दी समारोह के दलनायक डॉ चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि यह आयोजन हम सभी के सौभाग्य का दिन है,जो माता भगवती देवी के अवतरण के शताब्दी वर्ष से जुड़ा हुआ एक ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक अवसर है।

डॉ. पण्ड्या ने कहा कि यह भूमि योगियों और साधकों की रही है, जहां से स्वाभिमान,साधना और तप की परंपरा ने राष्ट्र को दिशा दी है। डॉ. पण्ड्या ने राष्ट्र-निर्माण के इस यज्ञ में सभी से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

धर्म की आड़ में सनातन को कमजोर कर रहे कालनेमि : योगी

चंडीगढ़,22 जनवरी 2026। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ कालनेमि धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगों से सचेत रहने की जरूरत है। योगी आदित्यनाथ गुरुवार को हरियाणा के सोनीपत स्थित बाबा नागे धाम में सिद्ध बाबा बुद्धनाथ महाराज एवं अन्य सिद्ध

योगियों की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बगैर किसी का नाम लिए कहा कि सनातन धर्म बहुत विशाल है। इसे कमजोर करने वाली ताकतों से सचेत रहते हुए आगे बढ़ने की जरूरत है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक योगी, संत और संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ भी नहीं होता। संन्यासी की कोई व्यक्तिगत संपत्ति नहीं होती, उसका धर्म ही उसकी संपत्ति और राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान होता है। अगर कोई राष्ट्र के स्वाभिमान को चुनौती देता है तो हमें खुलकर उसके सामने खड़ा होना चाहिए। धर्म केवल वेश या शब्दों में नहीं, बल्कि आचरण में दिखाई देना चाहिए। उन्होने कहा कि धर्म के विरुद्ध आचरण करने वाले तत्व न केवल सामाजिक समरसता को नुकसान पहुंचाते हैं।

भारत-यूरोप एफटीए...दुनिया को दिला सकता है अनिश्चितता से निजात : जयशंकर

नई दिल्ली, 22 जनवरी 2026। गणतंत्र दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि यूरोपीय संघ के नेताओं की भारत यात्रा के पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को ईयू के 27 सदस्य देशों के राजदूतों के साथ मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि भारत और ईयू के बीच मजबूत सहयोग, वैश्विक व्यापार, आवागमन और सुरक्षा साझीदारी के माध्यम से वैश्विक व्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने में सक्षम है। विदेश मंत्री ने एक्स पर इस अहम बैठक की जानकारी को साझा करते हुए कहा कि आज यूरोपीय देशों (ईयू) के राजदूतों के साथ के अभूतपूर्व अनिश्चितता के दौर से गुजर रही इस दुनिया में भारत-ईयू आर्थिक साझीदारी के बारे में महत्वपूर्ण चर्चा की।

संपादकीय

विवाद बढ़ाने का काम करता चीन

शक्सगाम घाटी को लेकर भारत को पूरी तरह चौकस रहने की आवश्यकता...

आज भारत के एकमात्र भरोसेमंद दोस्त रूस ने खुद को यूक्रेन के साथ अपने अंतहीन युद्ध में उलझा लिया है और इस कारण काफी कमजोर हो चुका है। चीन-विरोध के नाम पर भारत की मदद का फैसला कर सकने वाला अमेरिका भी इस समय दुनिया भर के साथ आर्थिक टकराव में बुरी तरह उलझा हुआ है...

जब अमेरिका भारत के समक्ष समस्याएं खड़ी करने से बाज नहीं आ रहा है, तब चीन भी चिंता का कारण बन रहा है। वास्तव में चीन ने जबसे 1951 में तिब्बत पर जबरन कब्जा करके भारत-तिब्बत सीमा को भारत-चीन सीमा में बदल दिया,तबसे उसके भारत-विरोधी रुख में लगातार वृद्धि होती चली जा रही है। पहले तो उसने 1962 में तिब्बत को छावनी की तरह इस्तेमाल करके भारत पर हमला किया। इसके बाद से वह सैकड़ों किलोमीटर लंबी इस सीमा पर उकसावे की कोई न कोई हरकत करता आ रहा है।

आर्थिक और सैनिक शक्ति हासिल करने के बाद तो चीन की यह आक्रामकता सीधी दादागीरी में बदल चुकी है। पहले वह भारत के अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के इलाकों पर जुबानी दावे करता था,लेकिन 2017 में डोकलाम घाटी पर कब्जे की कोशिश में मुंह की खाने के बाद उसने पूरी सीमा पर बड़े पैमाने पर सैन्य निर्माण शुरू करके भारत के लिए नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। पिछले दिनों अंतरिक्ष से सीमाओं की टोह लेने वाले भारतीय उपग्रहों से पता चला कि लद्दाख में चीनी कब्जे वाले शक्सगाम इलाके में चीनी सेना एक ऐसी सड़क बना रही है, जो भारत-पाकिस्तान और चीन के इस मिलन क्षेत्र में सियाचिन की सुरक्षा के लिए नए खतरे पैदा कर सकती है।

शक्सगाम घाटी जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के भारत में विलय के बाद भारत का हिस्सा थी,लेकिन अक्टूबर 1947 में उस पर हमले में पाकिस्तानी सेना ने कब्जा कर लिया था। 1962 के भारत-चीन युद्ध के एक साल बाद ही पाकिस्तान ने चीन को खुश करने के लिए 1963 की एक संधि के तहत शक्सगाम का लगभग 5,180 वर्ग किमी क्षेत्र चीन को सौंप दिया। रणनीतिक दृष्टि से शक्सगाम के भौगोलिक महत्व को इससे समझा जा सकता है कि यह पाकिस्तान द्वारा भारत से छीने गए गिलगित-बाल्टिस्तान और चीन द्वारा 1949 में कब्जाए गए ईस्ट-तुर्किस्तान (चीन द्वारा दिया गया नया नाम 'शिनजियांग') को आपस में जो ता है।

इसके अलावा यह सियाचिन के बहुत निकट है जो शक्सगाम और भारत के उस अक्साई चिन को अलग करता है, जिस पर 1950 के दशक में चीन ने गुपचुप कब्जा कर लिया था। शक्सगाम में चीन की यह नई से क बन जाने के बाद दुनिया के सबसे ठंडे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर को पाकिस्तानी हमलों से बचाने में जुटी भारतीय सेनाओं के लिए खतरा दोगुना हो जाएगा। आज सियाचिन पर उपस्थिति के कारण भारतीय सेना चीन के सैनिक महत्व वाले कराकोरम हाईवे पर नजर रख सकती है, जिसकी वजह से सियाचिन चीन के आंख की किरकिरी बना हुआ है। इसी क्षेत्र पर कब्जे के लिए 2021 में चीनी सेना ने गलवन में धोखे से हमला किया था।

दुनिया के सबसे कठिन इलाकों में गिने जाने वाले इस क्षेत्र में से कों के सैनिक महत्व को इससे समझा जा सकता है कि गलवन कांड के तुरंत बाद भारतीय सेना ने जिस गति और संख्या के साथ चीनी सैनिकों पर जवाबी हमला करके चीन को झकझोर दिया, वह केवल इसलिए संभव हो पाया कि उससे पहले ही भारतीय सेनाओं को लेह और श्योक से गलवन होते हुए दौलतबेग ओल्डी तक पक्की से क मिल चुकी थी। मोदी सरकार को इसका श्रेय जाता है कि उसने भारत-तिब्बत सीमा पर लगने वाली लगभग हर चौकी को 70 से ज्यादा नई और बारहमासी से कों से जो दिया है।

शिष्टाचार बनाम दिखावाः क्या सत्ता की निकटता मर्यादा से ऊपर हो गई है?

शासकीय कार्यालयों से लेकर राजनीतिक मंचों तक बदलता व्यवहार चिंता का विषय...

रवि सिंह
कोरिया,छत्तीसगढ़

शिष्टाचार केवल आचरण का विषय है इसे न तो थोपा जा सकता है और न ही यह किसी नियम या अधिनियम से अनिवार्य होता है, फिर भी भारतीय सामाजिक परंपरा में इसका विशेष महत्व रहा है, चाहे पारिवारिक जीवन हो, गुरु-शिष्य परंपरा हो या फिर शासकीय कार्यालयों की कार्यसंस्कृति मर्यादा, सम्मान और संयम को हमेशा समाज की पहचान माना गया है, पुराने समय में गुरु-शिष्य परंपरा केवल चरण वंदन या औपचारिक आदर तक सीमित नहीं थी, शिष्य अपने गुरु के प्रति सम्मान भाव इतना गहरा रखते थे कि यदि गुरु पैदल चल रहे हों और शिष्य किसी वाहन में, तब भी शिष्य आगे निकलना अनुचित मानते थे। उस दौर में यही संस्कार समाज को एक आदर्श स्वरूप प्रदान करते थे।

आज हर कोई खुद को सबसे बड़ा साबित करने में लगा

चाहे अधिकारी हों, कर्मचारी हों, नेता हों, युवा नेता हों या आम नागरिक–हर कोई अपनी अहमियत दिखाने को प्राथमिकता देने लगा है,विशेष रूप से युवा वर्ग में यह प्रवृत्ति तेजी से उभरती नजर आ रही है, पहचान बनाने की जल्दबाजी, शीर्ष पर पहुंचने की उतावली और स्वयं को विशेष सिद्ध करने की बेचैनी कई बार व्यवहारिक मर्यादा को पीछे छोड़ देती है। यही कारण है कि शिष्टाचार का अभाव अब केवल राजनीतिक मंचों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि शासकीय कार्यालयों तक में दिखाई देने लगा है।

शासकीय कार्यालयों में भी दिखता था संस्कारों का प्रभाव

एक समय था जब शासकीय कार्यालयों में भी पद के अनुरूप सम्मान और व्यवहार स्वतः दिखाई देता था। अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक–सभी मर्यादा के दायरे में रहते थे, प्रोटोकॉल केवल नियमों तक सीमित नहीं था, बल्कि आचरण और व्यवहार से स्वतः प्रकट होता था, लेकिन समय के साथ स्थितियां तेजी से बदली हैं, आज हालात यह हैं कि शिष्टाचार धीरे-धीरे पीछे छूटता जा रहा है और स्वयं को महत्वपूर्ण साबित करने की होड़ आगे बढ़ती जा रही है।

ताजा मामला कोरिया जिले से जुड़ा

कोरिया जिले से सामने आया एक मामला इन बदलते सामाजिक और राजनीतिक व्यवहारों पर गंभीर सवाल खड़े करता है, मामला एक ऐसे युवा से जुड़ा है जो भारतीय जनता पार्टी के किसी भी अधिकृत या जिम्मेदार पद पर नहीं है,बावजूद इसके वह स्वयं को राजनीतिक रूप से प्रभावशाली दर्शाने का निरंतर प्रयास करता नजर आ रहा है, यह युवा न केवल बड़े नेताओं के आगमन पर संगठन से अलग जाकर स्वागत-सत्कार कार्यक्रम आयोजित करता दिखाई देता है, बल्कि हाल ही में उसकी एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आई है जिसमें वह जिला कलेक्टर से मुलाकात करते हुए नजर आता है।

कलेक्टर कार्यालय की वीडियो बनी चर्चा का विषय

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यह युवा जिला कलेक्टर के समक्ष जिस अंदाज में बैठा नजर आता है, उसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, भले ही कलेक्टर कार्यालय में रखी कुर्सियां किसी बाध्य प्रोटोकॉल नियम से नहीं जुड़ी हों,लेकिन शिष्टाचार की दृष्टि से आम नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के समक्ष मर्यादित ढंग से व्यवहार करें, वीडियो में बैठने की मुद्रा और हावभाव को लेकर यह चर्चा तेज है कि क्या यह व्यवहार प्रशासनिक गरिमा के अनुरूप था।

अनुशासन की पहचान रखने वाली पार्टी से जुड़ा मामला

चूंकि यह मामला सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी से जुड़ाव प्रदर्शित कर रहे एक युवा से संबंधित है, इसलिए प्रश्न और गहरे हो जाते हैं, भाजपा संगठन अपने अनुशासन और संगठनात्मक मर्यादा के लिए जानी जाती है, यही कारण है कि यह सवाल उठना स्वाभाविक है क्या संगठन से जुड़े होने का दावा करने वाला कोई व्यक्ति अनुशासन से ऊपर हो सकता है?

संगठन से अलग चलने की प्रवृत्ति

पार्टी के भीतर भी यह चर्चा आम है कि संबंधित युवा संगठन के कार्यक्रमों में नियमित सहभागिता नहीं करता, जिला संगठन से अलग हटकर गतिविधियां संचालित करता है, बड़े नेताओं के आगमन पर ही सक्रिय दिखाई देता है, स्वयं की अलग गिनती और पहचान स्थापित करने का प्रयास करता है, बताया जा रहा है कि वह अक्सर संगठनात्मक निर्णयों से इतर जाकर स्वागत-सत्कार कार्यक्रम आयोजित करता है, जिससे पार्टी के भीतर एकला चलो की प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है।

कार्यकर्ताओं से दूरी,नेतृत्व से निकटता का प्रयास

जानकारी के अनुसार यह युवा जिले के पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से दूरी बनाए रखता है केवल शीर्ष नेताओं की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों में सक्रिय रहता है, लगातार यह प्रयास करता है कि बड़े नेता उसे अलग तवज्जो दें यह व्यवहार संगठनात्मक संतुलन के विपरीत माना जा रहा है।

सवाल सिर्फ व्यक्ति का नहीं, प्रवृत्ति का है- यह मामला किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि उस प्रवृत्ति का प्रतीक बनता जा रहा है जिसमें सत्ता की निकटता को अधिकार समझ लिया जाता है, शिष्टाचार को कमजोरी माना जाने लगा है, अनुशासन से पहले प्रदर्शन को महत्व दिया जाता है, यह प्रवृत्ति यदि समय रहते नहीं रोकी गई, तो न केवल राजनीतिक संस्कृति बल्कि प्रशासनिक मर्यादा भी प्रभावित हो सकती है।

शिष्टाचार नियम नहीं, संस्कार है...

शिष्टाचार कोई लिखित कानून नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कार है, यह पद से नहीं, सोच से जुड़ा होता है, और यही संस्कार किसी व्यक्ति की असली पहचान बनाते हैं, आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा नेतृत्व को धैर्य और मर्यादा का पाठ पढ़ाया जाए, संगठनात्मक अनुशासन को केवल भाषणों तक सीमित न रखा जाए, और सत्ता की निकटता को व्यवहारिक सीमा का उल्लंघन न बनने दिया जाए, क्योंकि सत्ता अस्थायी होती है, लेकिन आचरण ही व्यक्ति की स्थायी पहचान बनता है।

हनी ट्रैपःभय,बदनामी और अपराध का संगठित जाल

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा,भिवानी,हरियाणा

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में हनी ट्रैप के जरिए आम नागरिकों को फंसाकर ब्लैकमेल करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश न केवल एक आपराधिक नेटवर्क का खुलासा है,बल्कि समाज के भीतर गहराते भय,चुप्पी और बदनामी की मानसिकता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यह मामला दर्शाता है कि किस तरह मानवीय कमजोरियों, सामाजिक संकोच और कानूनी डर का इस्तेमाल कर कुछ गिरोह सुनियोजित तरीके से लोगों को आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से बर्बाद कर रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस गिरोह में शामिल कुछ महिलाएं योजनाबद्ध ढंग से आम नागरिकों से संपर्क साधती थीं, उनसे दोस्ती और भावनात्मक नजदीकी बढ़ाती थीं,फिर उन्हें आपत्तिजनक परिस्थितियों में फंसा कर झूठे दुष्कर्म,अपहरण, मारपीट या अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम वसूलती थीं। यह कोई आकस्मिक अपराध नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत संचालित संगठित अपराध था।

जांच एजेंसियों के अनुसार इस गिरोह की कार्यप्रणाली बेहद सुनियोजित और चरणबद्ध थी। पहले चरण में आरोपी महिलाएं सोशल मीडिया,फोन कॉल या व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से संभावित शिकार से दोस्ती करती थीं। धीरे-धीरे भावनात्मक या व्यक्तिगत नजदीकी बढ़ाई जाती थी, जिससे पीड़ित को किसी खतरे का आभास न हो। दूसरे चरण में पीड़ित को ऐसी स्थिति में ले जाया जाता था, जहां उसके खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री या परिस्थितियाँ बनाई जा सकें। इसके बाद तीसरे और सबसे खतरनाक चरण में शुरू होता था भय का खेल–झूठे मुकदमों, पुलिस कार्रवाई, सामाजिक बदनामी और परिवार की प्रतिष्ठा पर आंच की धमकियों के जरिए ब्लैकमेलिंग।

कई मामलों में यह भी सामने आया है कि आरोपी महिलाएं अकेली नहीं थीं। उनके पति, प्रेमी या अन्य पुरुष सहयोगी इस पूरे षड्यंत्र में सक्रिय भूमिका निभाते थे–कभी धमकी देने वाले बनकर, कभी फर्जी गवाह के रूप में और कभी कथित अपहरण या मारपीट की कहानी रचने में सहायक बनकर।

पुलिस के अनुसार इन मामलों में ब्लैकमेलिंग, अवैध रूप से बंधक बनाना,अपहरण,मारपीट,लूट और आपराधिक षड्यंत्र जैसी गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। यह स्पष्ट करता है कि यह अपराध केवल नैतिक या सामाजिक दायरे तक सीमित नहीं, बल्कि विधि व्यवस्था के लिए सीधी चुनौती है।

जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ आरोपी महिलाएं पहले भी हनी ट्रैप के मामलों में जेल जा चुकी हैं, जबकि कुछ के खिलाफ अन्य आपराधिक प्रकरण अभी अनुसंधान के अधीन हैं। इसका अर्थ यह है कि यह अपराध किसी एक घटना का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे समय से सक्रिय एक नेटवर्क का हिस्सा है, जो बार-बार नए शिकार तलाशता रहा।

इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अधिकांश पीड़ित सामाजिक बदनामी के भय से लंबे समय तक सामने नहीं आए। भारतीय समाज में आज भी व्यक्तिगत संबंधों, नैतिकता और इज्जत को लेकर गहरी संवेदनशीलता है। इसी मानसिकता का लाभ उठाकर ऐसे गिरोह लोगों को चुप रहने पर मजबूर कर देते हैं।

पीड़ित यह सोचकर डरते हैं कि यदि उन्होंने पुलिस से संपर्क किया तो समाज, परिवार या कार्यस्थल पर उनकी छवि खराब हो जाएगी। इसी डर का इस्तेमाल कर आरोपी बार-बार रकम वसूलते रहे। कई मामलों में पीड़ितों से लाखों रुपये तक की उगाही की गई, फिर भी धमकियों का सिलसिला खत्म नहीं हुआ। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि ऐसे मामलों में चुप्पी अपराधियों को और मजबूत करती है। जितना अधिक समय पीड़ित डर के कारण चुप रहता है, उतना ही अधिक वह अपराधी के नियंत्रण में चला जाता है। यही कारण है कि भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने आमजन से अपील की है कि ऐसे किसी भी मामले में भयभीत न हों और तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया है कि पीड़ित की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और जांच के दौरान उसकी सुरक्षा और सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाएगा। महिला हो या पुरुष–किसी भी आरोपी को कानून के दायरे से बाहर नहीं रखा जाएगा।

यह मामला एक और संवेदनशील प्रश्न उठाता है–कानून का दुरुपयोग। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, लेकिन जब इन्हीं कानूनों का इस्तेमाल झूठे आरोपों और ब्लैकमेलिंग के लिए किया जाता है, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान वास्तविक पीड़ितों को होता है।

यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि हनी ट्रैप जैसे मामलों को उजागर करना महिलाओं के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून के दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई है। न्याय प्रणाली की साख तभी बनी रह सकती है जब वह हर मामले को निष्पक्षता से देखे–चाहे आरोपी महिला हो या पुरुष।हनी ट्रैप जैसे संगठित अपराध केवल पुलिस कार्रवाई से पूरी तरह खत्म नहीं हो सकते। इसके लिए समाज को भी अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। पीड़ित को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति, चरित्र पर सवाल उठाने की मानसिकता और बदनामी का भय–ये सभी अपराधियों के सबसे बड़े हथियार हैं। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह ऐसे मामलों में तेज, निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई करे, वहीं समाज की जिम्मेदारी है कि वह पीड़ित के साथ खड़ा हो, न कि उसे कटघरे में खड़ा करे।भीलवाड़ा जिले में सामने आया हनी ट्रैप गिरोह का खुलासा एक चेतावनी है–आम नागरिकों के लिए भी और व्यवस्था के लिए भी। यह मामला दिखाता है कि अपराध अब केवल हथियारों से नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, भय और सामाजिक कमजोरियों से भी किया जा रहा है।

ऐसे समय में सबसे जरूरी है–जागरूकता, साहस और कानून पर भरोसा। जब पीड़ित चुप्पी तोड़ेंगे, तभी अपराधियों का यह जाल कमजोर पड़ेगा। पुलिस की अपील और कार्रवाई तभी सफल होगी, जब समाज डर के बजाय सच का साथ देगा।

हनी ट्रैप केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक और कानूनी चुनौती है। इसका समाधान भी सामूहिक साहस, संवेदनशील सोच और निष्पक्ष न्याय में ही निहित है।

बालिका विकास के बन्द दरवाजे खोलने का समय

ललित गर्ग
पटपड़गंज, दिल्ली-92

राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का दिन है, जिसकी शुरुआत 2008 में हुई; जिसके माध्यम से बालिकाओं की तस्वीर बदल रही है,जहाँ अब वे शिक्षा, खेल और नेतृत्व में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या और कुपोषण जैसी चुनौतियां अभी भी हैं, जिन्हें 'बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं और कानूनों से दूर करने का प्रयास जारी है, जिससे वे समाज का गौरव और प्रगति का चेहरा बन सकें। इस दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना,लैंगिक भेदभाव को कम करना, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के महत्व पर जोर देना है। बालिकाएं अब विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा और नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। समाज में बेटियों के प्रति सोच में बदलाव आया है। कानूनी उपाय जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम, पोस्को अधिनियम और सरकारी योजनाएं जैसे मिशन वात्सल्य,पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन आदि बालिकाओं के कल्याण के लिए काम कर रही हैं। इन सबके बावजूद आज भी बालिकाएं शोषण एवं भेदभाव का शिकार है। बालिका लिंगानुपात में भले ही सुधार हुआ है, लेकिन बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाएँ अभी भी मौजूद हैं। बालिकाओं में एनीमिया और कम वजन जैसी पोषण संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। पितृसत्तात्मक मानसिकता को खत्म करने और बालिकाओं को समान अवसर देने की आवश्यकता है। आजादी के अमृत काल

में भारत स्वयं को एक नए आत्मविश्वास,नई आकांक्षाओं और नए संकल्पों के साथ गे रहा है। इस परिवर्तनशील भारत की सबसे मजबूत आधारशिला यदि कोई है, तो वह है- बालिका। राष्ट्रीय बालिका दिवस आत्ममंथन का अवसर है कि आज हमारी बालिकाएं किस दशा में हैं,किस दिशा में बे रही हैं और समाज उनके लिए कैसा भविष्य रच रहा है। यह भी प्रश्न है कि क्या हम वास्तव में उस भारत का निर्माण कर पा रहे हैं, जहां बालिका जन्म से ही बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता मानी जाए। दोनों हाथ एक साथ को चरितार्थ करते हुए पुरुष एवं नारी दोनों की शक्ति से नया भारत निर्मित हो। पिछले कुछ दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ी है, खेल,विज्ञान,प्रशासन, राजनीति और उद्यमिता में बालिकाओं और महिलाओं ने असाधारण उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज ग्रामीण भारत की बेटियां भी अंतरिक्ष विज्ञान,स्टार्टअप, सेना और सिविल सेवाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह परिवर्तन संकेत देता है कि आजादी के अमृत काल में महिलाओं और बालिकाओं की भूमिका केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी होगी और यही राष्ट्र के सर्वोच्च शिखर की ओर ले जाने वाली शक्ति बनेगी। लेकिन इस उजली तस्वीर के समानांतर एक कड़वा यथार्थ भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आज भी बालिकाओं और महिलाओं के विरुद्ध अपराध,शोषण,यौनहिंसा, घरेलू अत्याचार, बाल विवाह और साइबर उत्पी न जैसी घटनाएं समाज की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। बलात्कार और हिंसा की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं हैं,वे हमारी सामूहिक मानसिकता की विफलता का परिणाम हैं। जब एक बच्ची की सुरक्षा घर, स्कूल, सड़क और डिजिटल दुनिया-कहीं भी सुनिश्चित नहीं होती, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि विकास के दावे अधूरे हैं।

नए भारत,विकसित भारत और समता-मूलक भारत की परिकल्पना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच का केंद्रबिंदु नारी-शक्ति और विशेषकर बालिकाओं का सशक्तिकरण है। उनका दृष्टिकोण केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता के रूपांतरण का आह्वान करता है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी अनेक योजनाओं ने बालिका को बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र की पूंजी के रूप में देखने की दृष्टि विकसित की है। शिक्षा,स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने बालिकाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट संदेश है कि जब तक बालिका शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर नहीं होगी,तब तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। उनकी व्यापक सोच बालिका को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं,बल्कि नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की सक्रिय सहभागी मानती है। यही कारण है कि आज की बालिकाएं आत्मविश्वास के साथ विज्ञान,खेल,प्रशासन और उद्यमिता में आगे बढ़ रही हैं और आने वाला भारत नारी-शक्ति के नेतृत्व में संतुलित, समतामूलक और सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरता दिखाई देता है।

राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं लुभाने के लिए सरकारी खजाने से मुफ्त धन व अन्य वस्तुएं बांटने की घोषणा सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वीकृत

सुभाष बुड़ावन वाला,
रतलाम,मध्यप्रदेश

सभी राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं लुभाने के लिए सरकारी खजाने से मुफ्त धन व अन्य वस्तुएं बांटने की घोषणा पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका स्वीकार करने का स्वागत है .

सुप्रीम कोर्ट ने देश पर बढ़ते कर्ज और चुनावी लोकलुभावन घोषणाओं के बीच के खतरनाक संबंध को गंभीरता से लेते हुए जनहित याचिका की सुनवाई के लिए तत्परता दिखाई है,क्योंकि यह मुद्दा केवल चुनावी नैतिकता तक सीमित नहीं,बल्कि देश की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता से जुड़ा है। पिछले एक दशक में राज्यों का सार्वजनिक ऋण तेजी से बढ़ा है और रिज़र्व बैंक की विभिन्न रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि कई राज्य अपने राजस्व का बड़ा हिस्सा केवल ब्याज चुकाने में खर्च कर रहे हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य,आधारभूत ढांचे और सुरक्षा जैसे जरूरी क्षेत्रों के लिए संसाधन सीमित हो रहे हैं।

चुनाव के समय राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त बिजली, पानी, यात्रा,राशन, नकद हस्तांतरण और अन्य रियायतों की घोषणाएं अब अपवाद नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा का हथियार बन चुकी हैं,और यह प्रवृत्ति दक्षिण भारत तक सीमित न रहकर उत्तर और पश्चिम भारत में भी गहराई से फैल चुकी है। विडंबना यह है कि जो दल कभी इन योजनाओं को मुफ्त की रेवड़ी÷ कहकर कोसते थे, वही सत्ता या चुनावी दबाव में आकर उसी रास्ते पर चलते दिख रहे हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि बिना स्थायी राजस्व स्रोत के ऐसी योजनाएं राजकोषीय अनुशासन को कमजोर करती हैं और भविष्य की पीढ़ियों पर कर्ज का बोझ डालती हैं। यह भी देखा गया है कि कई राज्यों में लोकलुभावन योजनाओं के कारण पूंजीगत व्यय घटा है,जबकि विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए यही व्यय रोजगार सृजन और उत्पादकता बढ़ाने में सबसे अहम होता है। जनकल्याण के नाम पर दी जाने वाली ये रियायतें अल्पकाल में राहत तो देती हैं, लेकिन दीर्घकाल में लाभार्थियों को सरकारी सहायता पर निर्भर बनाकर उनकी कार्यक्षमता और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो कई देशों ने चुनावी घोषणाओं के लिए वित्तीय उत्तरदायित्व कानून बनाए हैं, जिनके तहत यह स्पष्ट करना अनिवार्य होता है कि किसी वादे का वित्तीय स्रोत क्या होगा और उसका बजट पर क्या प्रभाव पड़ेगा। भारत में भी समय आ गया है कि सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग मिलकर ऐसी सख्त गाइडलाइन तैयार करें, जिसमें यह प्रावधान हो कि चुनावी घोषणाओं से जुड़ा खर्च या तो स्पष्ट बजटीय प्रावधान के तहत हो या फिर राजनीतिक दल अपने निजी या घोषित फंड से उसका वहन करें, ताकि करदाताओं के धन का उपयोग केवल वोट बटोरने के लिए न हो।

यह भी तथ्य है कि वर्तमान वैश्विक तनाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के दौर में भारत को रक्षा और आंतरिक सुरक्षा पर अधिक निवेश की आवश्यकता है, लेकिन बढ़ता कर्ज इस क्षमता को सीमित कर रहा है। यदि वही धन कौशल विकास, सूक्ष्म उद्यमों, स्टार्टअप्स, स्वरोजगार और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने में लगाया जाए तो लोग स्थायी आय के साधन विकसित कर सकते हैं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं। इसलिए लोकलुभावनवाद और जनकल्याण के बीच स्पष्ट रेखा खींचना अब अनिवार्य हो गया है, ताकि लोकतंत्र मजबूत भी रहे और अर्थव्यवस्था जिम्मेदार रास्ते पर भी आगे बढ़े।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

–सम्पादक

अंबिकापुर सट्टा किंग दीप सिन्हा के घर छापेमारी...बेनामी संपत्ति और नकदी बरामद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में अवैध सट्टेबाजी के सिंडिकेट को ध्वस्त करने की दिशा में सरगुजा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। शहर के कथित 'सट्टा किंग' दीप सिन्हा की दो दिनों की पुलिस रिमांड आज समाप्त हो रही है, लेकिन इन 48 घंटों में पुलिस ने सट्टे के इस काले साम्राज्य की कई परतें खोल दी हैं। रिमांड के दौरान हुई गहन पूछताछ में दीप सिन्हा ने अपने नेटवर्क और सट्टेबाजी के ऑनलाइन ट्रांजैक्शन से जुड़े कई चौंकाने वाले राज उगले हैं। पुलिस इस समय सट्टे के उस डिजिटल फुटप्रिंट को ट्रैक कर रही है, जिसके जरिए करोड़ों रुपयों का हेरफेर किया गया था।

ताला तोड़कर अंदर घुसी पुलिस

शनिवार को पुलिस की एक विशेष टीम आरोपी दीप सिन्हा को लेकर सत्तीपारा स्थित उसके आलीशान आवास पर पहुँची। पुलिस के आने की भनक लगते ही घर के सभी सदस्य ताला लगाकर पहले ही फरार हो चुके थे। कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने और गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के बाद, पुलिस ने घर का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया। घंटों चली इस सघन तलाशी अभियान के दौरान घर के कोने-कोने को खंगाला गया। पुलिस को शक था कि सट्टे की अवैध कमाई से जुड़े सबूत और नकदी घर के भीतर छिपाई गई हो सकती है।

बेनामी संपत्तियों का लगा अंबार,करोड़ों के निवेश के मिले पुख्ता दस्तावेज

तलाशी के दौरान पुलिस के हाथ जैकपॉट लगा है। दीप सिन्हा के घर से भारी मात्रा में नकदी के अलावा जमीन-जायदाद से जुड़े कई संदिग्ध कागजात बरामद हुए हैं। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि दीप सिन्हा ने क्रिकेट सट्टे से होने वाली काली कमाई को रियल एस्टेट और बेनामी संपत्तियों में निवेश किया था। जब्त किए गए दस्तावेजों में कई ऐसी जमीनों के कागजात हैं, जो दीप के करीबियों और रिश्तेदारों के नाम पर खरीदे गए थे। पुलिस अब इन बेनामी संपत्तियों को अटैच करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है।

पुणे एयरपोर्ट से हुई थी नाटकीय गिरफ्तारी : बता दें कि दीप सिन्हा की गिरफ्तारी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। चार दिन पहले पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर उसे पुणे एयरपोर्ट के बाहर से घेराबंदी कर दबोचा था। दीप सिन्हा केवल अंबिकापुर ही नहीं, बल्कि अंतरराज्यीय स्तर पर क्रिकेट सट्टे का कारोबार संचालित कर रहा था। वह आधुनिक ऐप्स और वेबसाइट्स के जरिए सट्टे का अवैध बाजार चलाता था। प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपये के बेनामी लेन-देन के प्रमाण मिले हैं, जो संकेत देते हैं कि इस नेटवर्क में कई बड़े सफेदपोश लोग भी शामिल हो सकते हैं।

फिर से रिमांड मांगने की तैयारी में जुटी पुलिस : दीप सिन्हा की मौजूदा रिमांड अवधि समाप्त होने पर पुलिस उसे पुनः न्यायालय में पेश करेगी। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में मिले नए सुरागों और बरामद दस्तावेजों के सत्यापन के लिए पुलिस अदालत से दीप की रिमांड बढ़ाने की मांग कर सकती है। जांच अधिकारियों का कहना है कि अभी केवल एक छोटे हिस्से का पर्दाफाश हुआ है, सट्टे की इस चैन में कई बुकी और एजेंट अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। अंबिकापुर पुलिस अब इन फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

सट्टा प्रकरण में फरार आरोपी को मदद,दो पर अपराध दर्ज

थाना कोतवाली पुलिस ने जुआ प्रतिषेध अधिनियम एवं आईटी एक्ट से जुड़े मामले की विवेचना के दौरान फरार आरोपी आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा के मोबाइल से मिले वाट्सएप चैट और फोन-पे ट्रांजैक्शन के आधार पर उसके साले संतोष कश्यप एवं मोन्टी सोनी उर्फ मुरलीधर सोनी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी आयुष सिन्हा के मोबाइल में उपलब्ध वाट्सऐप चैट से यह सामने आया कि संतोष कश्यप और मोन्टी सोनी लगातार उसके संपर्क में थे। दोनों ने फोन-पे के माध्यम से 50-50 हजार रुपये एटीएम के जरिए फरार आरोपी आयुष सिन्हा के खाते में जमा कराए। जांच में यह भी पाया गया कि आयुष सिन्हा ऑनलाइन सट्टा प्रकरण में मुख्य आरोपी है और फरार चल रहा है। इसके बावजूद संतोष कश्यप ने 17 नवंबर 2025 को आयुष सिन्हा के खाते में 2 लाख 10 हजार रुपये जमा कराए। पुलिस ने इसे गंभीर अपराध मानते हुए शासन की ओर से विवेचना कर रहे निरीक्षक शशिकांत की रिपोर्ट पर संतोष कश्यप एवं मोन्टी सोनी के विरुद्ध फरार आरोपी को छिपाने, संश्रय देने और लगातार मदद करने के आरोप में अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण एक बार फिर ठंड की वापसी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण उत्तर छत्तीसगढ़ में एक बार फिर ठंड की वापसी देखी जा रही है। दो दिन पूर्व न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के ऊपर चला गया था। इस लिए लोग शीतलहर से राहत महसूस सकर रहे थे। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण बुधवार की रात का न्यूनतम तापमान नीचे गिरकर 6.3 डिग्री दर्ज किया गय है। मैसम वैज्ञानिक का मानना है कि विक्षोभ का असर आने वाले दो से तीन दिनों तक रहेगा। इसके बाद पुनः तापमान में वृद्धि दर्ज की जा सकती है। इस वर्ष उत्तर छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़ी है। लगातार 49 दिनों तक न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा है। पूरा सरगुजा संभाग शीतलहर की चपेट में था। दो से तीन दिन पूर्व धीरे-धीरे ठंड से राहत मिली थी। न्यूनतम तापमान बढ़ कर 10 डिग्री से ऊपर पहुंच गया था। वहीं वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण एक बार फिर से ठंड की वापसी हुई है। न्यूतनतम तापमान 6.3 डिग्री जबकि अधिकतम 26 डिग्री दर्ज किया गया है। न्यूनतम तापमान गिरने से रातें ठंड हो गई है। जबकि मंगलवार को न्यूनतम तापमान बढ़कर 11 डिग्री पहुंच गया था।

प्रवेश कर रही सर्द हवाएं

मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट के अनुसार पश्मिी विक्षोभ के सक्रिय होने से न्यूनतम व अधिकतम तापमान में वृद्धि हुई थी। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण फिर से सर्द हवाओं का प्रवेश शुरू हो गया है। इस लिए तापमन में गिरावट दर्ज की जा रही है। इसका अवसर आने वाले दो से तीन दिनों तक रहने की उम्मीद है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर खत्म होते ही फिर से तापमान में वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

रेलवे की मण्डल स्तरीय बैठक में सांसद चिंतामणि महाराज ने क्षेत्रहित में रखी कई मांगें

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने रेलवे महाप्रबंधक कार्यालय, बिलासपुर में आयोजित मंडल स्तरीय बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री व बिलासपुर सांसद श्री तोखन साहू और समस्त माननीय सांसदों की उपस्थिति में सहभागिता की। बैठक के दौरान क्षेत्र की जनता, किसानों एवं व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखते हुए रेलवे प्रशासन के समक्ष निम्नलिखित महत्वपूर्ण माँगें एवं प्रस्ताव मजबूती से रखे। अंबिकापुर-दिल्ली (निजामुद्दीन) रेल सेवा का सप्ताह में न्यूनतम दो दिन नियमित संचालन सुनिश्चित किए जाने की माँग, जिससे सरगुजा क्षेत्र को राष्ट्रीय राजधानी से बेहतर रेल संपर्क मिल सके। कमलपुर रेलवे स्टेशन पर अंबिकापुर-दुर्ग रेलगाड़ी को ठहराव प्रदान करने का निवेदन,जिससे क्षेत्र के सब्ज़ी उत्पादक किसानों एवं स्थानीय व्यापारियों को सीधा लाभ प्राप्त हो। विश्रामपुर एवं सूरजपुर रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्लेटफॉर्म तथा शेड की लंबाई बढ़ाने की माँग। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म निर्माण कार्य विगत पाँच माह से लंबित रहने पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तत्काल तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश देने की माँग। शहडोल-नागपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का संचालन अंबिकापुर से प्रारंभ किए जाने का प्रस्ताव,जिससे सरगुजा अंचल को मध्य भारत से सीधा रेल संपर्क मिल सके। अंबिकापुर-रायपुर इंटरसिटी ट्रेन के शीघ्र नियमित परिचालन की माँग। पूर्व की सभी बैठकों में हुई चर्चाओं, लिए गए निर्णयों एवं उनके क्रियान्वयन की स्थिति पर आधारित बिंदुवार कार्यवाही विवरण उपलब्ध कराने का स्पष्ट आग्रह। सांसद सरगुजा श्री चिंतामणि महाराज ने पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देशों का अपेक्षित अनुपालन न होने पर कड़ी असंतुष्टि व्यक्त करते हुए चेतावनी दी कि यदि भविष्य में स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो आगामी बैठकों का बहिष्कार करने पर विचार किया जाएगा। इस अवसर पर रेलवे महाप्रबंधक द्वारा इस स्थिति पर खेद व्यक्त करते हुए सभी लंबित विषयों के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

युवा उड़ान कार्यक्रम में युवाओं को मिला प्रेरणा और मार्गदर्शन

पद्मश्री आनंद कुमार और लेखक नीलोत्पल मृणाल ने साझा किए सफलता के मंत्र

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
जिले में कला केंद्र मैदान अम्बिकापुर में आयोजित युवा उड़ान कार्यक्रम युवाओं के लिए प्रेरणा,मार्गदर्शन और आत्मविश्वास का सशक्त मंच साबित हुआ। कार्यक्रम में देश के सुप्रसिद्ध गणितज्ञ एवं सुपर 30 के संस्थापक पद्मश्री श्री आनंद कुमार तथा विश्वविख्यात लेखक श्री नीलोत्पल मृणाल ने युवाओं को सफलता, संघर्ष और जीवन के मूल्यों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सरगुजा के युवाओं के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि उन्हें आनंद कुमार और नीलोत्पल मृणाल जैसे प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को सुनने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उड़ान पंखों से नहीं, बल्कि मेहनत से मिलती है। हमारी चाह और संकल्प ही हमें लक्ष्य तक पहुंचाते हैं। युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर ऊंची उड़ान का हौसला रखना चाहिए। कार्यक्रम में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि यह आयोजन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। वहीं राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर ने युवाओं से मंच से प्राप्त विचारों को ध्यानपूर्वक सुनकर उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कहा कि जिले के युवाओं को आज महान व्यक्तित्वों के अनुभवों और दृष्टिकोण को जानने का अवसर मिला है।

परीक्षाओं की तैयारी और सफलता का दिए मंत्र

कार्यक्रम में सुपर 30 के संस्थापक श्री आनंद कुमार ने युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के महत्वपूर्ण टिप्स और सफलता के मंत्र बताए। उन्होंने कहा कि यहां बैठा हर बच्चा नायाब है और सभी में अद्भुत हुनर है। आवश्यकता है उस ताकत को पहचानने की और दुनिया में बेहतर कार्य कर मिसाल कायम करने की। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए जरूरी है कि जिस विषय में सफल होना है, उसी विषय को लेकर पूरी निष्ठा के साथ जीवन जिया जाए और किसी भी अन्य चीज को बीच में आने न दिया जाए। विषय समझने में कठिनाई आने पर हार मानने के बजाय निरंतर प्रयास करना चाहिए,क्योंकि लगातार मेहनत से सफलता अवश्य मिलती है। श्री आनंद कुमार ने कहा कि पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि रोमांचक बनाना चाहिए। आज इंटरनेट जैसे आधुनिक संसाधनों में हर समस्या का समाधान उपलब्ध है, आवश्यकता केवल सही दिशा में प्रयास करने की है। उन्होंने अपने करियर के संघर्षों और जीवन की चुनौतियों को साझा करते हुए कहा कि असुविधाएं मिलने पर पीछे नहीं हटना चाहिए, बल्कि धारा के विपरीत चलकर भी पत्थरों को तोड़ते हुए आगे बढ़ा जा सकता है।

उन्होंने युवाओं को सफलता के चार मंत्र भी बताए। उन्होंने कहा कि पहला मंत्र प्रबल प्रयास - जब तक सफलता न मिले, प्रयास करते रहना चाहिए। दूसरा मंत्र सकारात्मक सोच-जो निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। तीसरा मंत्र अथक परिश्रम - बिना रुके और बिना थके मेहनत करना ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। चौथा मंत्र असीम धैर्य -यदि प्रयास तुरंत सफल न हों तो निराश नहीं होना चाहिए। धैर्य रखते हुए परिश्रम निरंतर करते रहने से सफलता अवश्य मिलती है। पढ़ाई को लेकर बच्चों में बढ़ते डिप्रेशन पर उन्होंने कहा कि इसमें माता-पिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।

डर से डरने के बजाए संघर्ष की आग में तपना जरुरी

कार्यक्रम में शामिल विश्वविख्यात लेखक श्री नीलोत्पल मृणाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा ही छत्तीसगढ़ की तकदीर है और एक परीक्षा किसी की तकदीर का फैसला नहीं करती। उन्होंने कहा कि डर से डरने के बजाय संघर्ष की आग में तपना होगा, तभी वास्तविक सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने युवाओं को चेताया कि डिप्रेशन को पैशन न बनाएं, क्योंकि डिप्रेशन और पैशन एक साथ नहीं चल सकते। यदि भीतर आगे बढ़ने का पैशन है,तो सफलता निश्चित है। श्री मृणाल ने कहा कि संघर्ष हर व्यक्ति के आसपास मौजूद है और इसमें किसी भी प्रकार का बहाना नहीं होना चाहिए। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि दूसरों की आकांक्षाओं को अपना बोझ बनाकर न ढोएं, बल्कि स्वयं यह निर्णय लें कि उन्हें किस क्षेत्र में जाना है और उसी लक्ष्य पर अडिग रहें। चाहे कोई भी विपरीत परिस्थितियां क्यों न आएं, अपने निर्णय से विचलित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मंच युवाओं में चेतना जगाने के उद्देश्य से है। यदि युवा दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें,तो आने वाला कल उन्हीं का होगा और वही भविष्य में इतिहास रचेंगे।

अवैध धान भंडारण पर छापा,भाजपा नेता ने अफसरों को दी धमकी

कार्रवाई का वीडियो वायरल,करीब 5 लाख का धान जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
सीतापुर में भाजपा नेता के निवास पर अवैध धान भंडारण की सूचना पर प्रशासनिक टीम की छापामार कार्रवाई के दौरान विवाद की स्थिति बन गई। नायब तहसीलदार के नेतृत्व में पहुंची टीम को भाजपा नेता व अधिवक्ता ने खुलेआम धमकी दी। पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

प्रशासन को सूचना मिली थी कि सीतापुर भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं अधिवक्ता सुनील गुप्ता के निवास पर अवैध रूप से धान का भंडारण किया गया है। बताया गया कि बुधवार रात दो ट्रकों में भरकर अवैध धान उनके घर पहुंचाया गया।सूचना के आधार पर गुरुवार दोपहर नायब तहसीलदार तुषार मानिक और राजेश यादव के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम भाजपा नेता के निवास पर छापामार कार्रवाई करने पहुंची। इसी दौरान भाजपा नेता मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का विरोध करते हुए अधिकारियों को धमकाने लगे। 'जानकारी लेकर जब्ती बनाइए, नहीं तो मैं कोर्ट चला जाऊंगा। आपके जैसे पांच लोग रोज आते हैं। बड़े अधिकारी, कलेक्टर और आईएएस तक हमारे पास आते हैं। जब फंसते हैं तो हमारे पास ही आते हैं। 'इस दौरान भाजपा नेता लगातार अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाते रहे। भाजपा नेता की भाषा पर आपत्ति जताते हुए नायब तहसीलदार ने उन्हें ढंग से बात करने को कहा। इस पर भाजपा नेता और उग्र हो गए। उन्होंने कहा, 'मेरा कुछ नहीं बिगड़ेगा। मैं जानबूझकर यहां आया हूं। 2-3 लाख का माल ही जाएगा न,करोड़पति थोड़ी न बन जाऊंगा।

लेकिन इस तरह करोगे तो बाजा बजा दूंगा, चाहे कहीं भी रहो। 'कार्रवाई का विरोध करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि जब्ती नहीं बनने देंगे और अधिकारियों को शटर के भीतर बंद करने की भी कोशिश की। हालांकि प्रशासनिक टीम ने संयम बरतते हुए पूरी कानूनी प्रक्रिया के तहत धान की जब्ती की कार्रवाई पूरी की। प्रशासन के अनुसार, जब्त धान की कीमत करीब 5 लाख रुपये आंकी जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिंदा महिला को मृत बताकर जमीन हड़पने की साजिश,एसपी से शिकायत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
पूरी तरह से स्वस्थ्य वृद्ध महिला को मृत बताकर जमीन हड़पने का एक मामला सामने आया है। महिला ने गुरुवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर अपने भतीजों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता न कहा कि मैं अभी जिन्दा हूं। अंबिकापुर तहसील अंतर्गत मेंड्रा खुर्द निवासी सुगामती राजवाड़े ने आरोप लगाया है कि उसके भतीजे कवलसाय राजवाड़े ने साजिश के तहत उसे मृत घोषित कर उसकी करीब 6 एकड़ कृषि भूमि अपने नाम दर्ज करा ली। महिला का कहना है कि इस पूरे मामले में पटवारी और राजस्व विभाग के कुछ कर्मचारियों व अधिकारियों की मिलीभगत की आशंका है। पीड़ित महिला सुगामती राजवाड़े ने सवाल उठाया है कि जब वह जीवित है तो उसका मृत्युप्रमाण पत्र कैसे बना। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। महिला ने अपने भतीजे कवलसाय राजवाड़े सहित चार लोगों पर जमीन हड़पने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

बालगृह के कर्मचारियों को सेवा समाप्त होने का डर,कलेक्टर को ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत एनजीओ द्वारा संचालित बालगृह में कार्यरत कर्मचारियों ने सोमवार को अपनी सेवाएं समाप्त किए जाने की आशंका को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने ज्ञापन के माध्यम से सेवाएं यथावत रखने की मांग की है। कर्मचारियों ने बताया कि वे बीते कई वर्षों से अनाथ, निराश्रित एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों की सेवा पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करते आ रहे हैं। उन्होंने कोरोना महामारी काल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस कठिन समय में, जब पूरा देश भय और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था, तब भी उन्होंने अपने परिवारों से दूर रहकर बालगृह में बच्चों की देखभाल की। कर्मचारियों के अनुसार, कोरोना काल में कई महीनों तक वे बालगृह परिसर में ही रहकर बच्चों की सुरक्षा, भोजन, इलाज, शिक्षा और मानसिक देखभाल की जिम्मेदारी निभाते रहे। इस दौरान उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चों को कभी अकेला नहीं छोड़ा। अब कर्मचारियों ने आशंका जताई है कि उनकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं, जिससे उनके परिवारों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। साथ ही, इसका सीधा असर बालगृह में रह रहे बच्चों की देखरेख और व्यवस्थाओं पर भी पड़ेगा, क्योंकि वर्तमान कर्मचारी इस कार्य में प्रशिक्षित और अनुभवी हैं। कर्मचारियों ने कलेक्टर से मांग की कि उनके अनुभव, सेवा और त्याग को ध्यान में रखते हुए एनजीओ संचालित बालगृहों में कार्यरत सभी कर्मचारियों को यथावत सेवा में रखा जाए, ताकि बच्चों की देखभाल व्यवस्था प्रभावित न हो। इस दौरान बड़ी संख्या में बालगृह कर्मचारी उपस्थित रहे।

सूरजपुर में 11 करोड़ का धान खरीदी घोटाला उजागर,37 हजार क्विंटल धान गायब

धान खरीदी में महाघोटाला,सूरजपुर के 10 से अधिक उपार्जन केंद्रों में भारी कमी

37,734 क्विंटल धान की कमी से हड़कंप,प्रशासन एक्शन मोड में

धान खरीदी घोटाले पर प्रशासन सख्त,करोड़ों के गबन की जांच तेज

धान खरीदी घोटाले में एफआईआर की तैयारी,11.69 करोड़ की अनियमितता उजागर

भौतिक सत्यापन में खुली पोल,सूरजपुर में हजारों क्विंटल धान गायब

धान खरीदी में बड़ा खेल,नोटिस से आगे बढ़ी जांच

किसानों के धान में घोटाला,11 करोड़ का स्टॉक गायब

सूरजपुर में धान खरीदी घोटाला,37 हजार क्विंटल धान कम

दैनिक घटती-घटना की खबरों के बाद प्रशासन एक्शन मोड में,एफआईआर की तैयारी

दैनिक घटती-घटना खबर का बड़ा असर...
धान खरीदी घोटाले पर प्रशासन का एक्शन
खबर के बाद हिला...खरीदी में हजारों क्विंटल कमी पर नोटिस...

धान खरीदी घोटाला : जांच के बाद भी वही जिम्मेदार,कमी 'मैनेज' करने की खुली छूट
धान खरीदी घोटाला : जांच में कमी पकड़ी गई,फिर भी उन्हीं हाथों में सौंप दी गई पूरी कमान

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले में धान खरीदी व्यवस्था से जुड़ा अब तक का सबसे बड़ा घोटाला सामने आया है, जिले के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों में कराए गए भौतिक सत्यापन के दौरान 37,734 क्विंटल धान की भारी कमी पाई गई है,जिसकी अनुमानित कीमत 11 करोड़ 69 लाख 75 हजार 400 रुपये आंकी गई है। यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि व्यवस्थित भ्रष्टाचार और शासकीय राशि के दुरुपयोग की ओर सीधा संकेत करता है,दैनिक घटती-घटना में लगातार प्रकाशित खबरों के बाद प्रशासन हरकत में आया और जिले में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया।

कैसे खुला पूरा मामला

पिछले कई महीनों से सूरजपुर जिले के धान उपार्जन केंद्रों से रिकॉर्ड में खरीदी दिखना, भुगतान हो जाना,लेकिन गोदामों में धान नहीं मिलना जैसी शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं, दैनिक घटती-घटना द्वारा इन अनियमितताओं को प्रमुखता से उजागर किए जाने के बाद उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं,जिला सूरजपुर के निर्देश पर धान उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन कराया गया।

नोटिस काफी नहीं,अब कार्रवाई जरूरी

प्रशासन द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी करना आवश्यक कदम था,लेकिन यह पर्याप्त नहीं है. इससे पहले भी प्रदेश में कई बार ऐसे घोटाले सामने आए, जिनका अंत नोटिस और फाइलों तक सीमित रह गया। यदि 11 करोड़ रुपये की अनियमितता पर केवल स्पष्टीकरण लेकर मामला समाप्त कर दिया गया, तो यह न केवल किसानों बल्कि ईमानदार अधिकारियों के साथ भी अन्याय होगा, अब समय आ गया है कि दोषियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय हो, राशि की शत-प्रतिशत वसूली हो और आवश्यक होने पर आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाए।

10 से अधिक केंद्रों में जांच 8 केंद्रों के ठोस आंकड़े सामने-

प्रशासन द्वारा अब तक 10 से अधिक धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया जा चुका है, इनमें से 8 केंद्रों में भारी मात्रा में धान की कमी के ठोस आंकड़े उपलब्ध हुए हैं, 2 केंद्रों के आंकड़े अभी प्राप्त नहीं हो सके हैं।

सबसे बड़ा सवाल - धान गया कहां?-

यह सवाल अब पूरे जिले में गूंज रहा है कि जब धान खरीदा गया, किसानों को भुगतान किया गया, शासन ने राशि जारी की, तो फिर इतना बड़ा स्टॉक आखिर गायब कैसे हो गया? रिकॉर्ड में मौजूद धान और गोदाम में मौजूद वास्तविक स्टॉक के बीच यह अंतर सीधे तौर पर घोटाले की पुष्टि करता है।

पांच समितियों को कारण बताओ नोटिस

भौतिक सत्यापन के बाद प्रशासन ने 5 समितियों के प्रबंधकों एवं धान खरीदी प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, शेष केंद्रों में जांच प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद नोटिस जारी किए जाएंगे,कुछ नोटिसों की जवाब देने की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है,लेकिन अब तक उनकी आगे की कार्रवाई सार्वजनिक नहीं की गई है।

प्रशासन की स्पष्ट चेतावनी

नोटिस में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यदि स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया तो, एफआईआर दर्ज की जाएगी,वित्तीय नुकसान की वसूली की जाएगी,निलंबन एवं सेवा समाप्ति की कार्रवाई संभव है,कार्रवाई निम्न कानूनों के अंतर्गत होगी छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960, नियम 1962 प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाएं सेवा नियम 2018

प्रशासन अब सख्त रुख में...

सूत्रों के अनुसार प्रशासन यह मान रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में कमी,बिना संगठित नेटवर्क के संभव नहीं,इसमें खरीदी प्रभारी, समिति प्रबंधन, परिवहन व स्टोरेज स्तर तक की भूमिका की जांच की जा रही है,जल्द ही विस्तृत ऑडिट रिपोर्ट,परिवहन चालान मिलान,टोकन व रिकॉर्ड सत्यापन,सीसीटीवी व लॉजिस्टिक डेटा के आधार पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जा सकते हैं।

धान की कमी के चौंकाने वाले आंकड़े

उपार्जन केंद्र	धान की कमी (क्विंटल)
चंदौरा	818
लटोरी	4,367.60
सोनपुर बंजा	4,350
शिवप्रसाद नगर	5,552
उमेश्वरपुर	7,036.40
सूरजपुर	6,610.40
टुकुडांड	6,412.80
सावरवां	2,588

कुल कमी - 37,734 क्विंटल धान
अनुमानित मूल्य - 11.69 करोड़

नोटिस प्राप्त अधिकारी

विकास जायसवाल – टुकुडांड
मोहम्मद रिजवान अंसारी – सावरवां
ठाकुर सिंह मरावी – उमेश्वरपुर
साधना कुशवाह – शिवप्रसाद नगर
मोहन राजवाड़े – सूरजपुर

किसानों में रोष,पारदर्शिता की मांग

स्थानीय किसानों और सामाजिक संगठनों ने कहा कि धान खरीदी में भ्रष्टाचार का सीधा असर किसानों पर पड़ता है,भुगतान,वजन और रिकॉर्ड पूरी तरह पारदर्शी हों,दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो ताकि दोबारा ऐसी घटनाएं न हों।

पत्रकारिता का असर

यह पूरा मामला एक बार फिर साबित करता है कि जिम्मेदार पत्रकारिता ही भ्रष्टाचार को उजागर कर सकती है,दैनिक घटती-घटना में लगातार प्रकाशित खबरों के बाद ही प्रशासन सक्रिय हुआ, सत्यापन शुरू हुआ और करोड़ों के घोटाले का पर्दाफाश संभव हो पाया।

अब आगे क्या? अब जिले की जनता की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि...

- क्या वास्तव में एफआईआर दर्ज होगी?
- क्या दोषियों से 11 करोड़ से अधिक की वसूली होगी?
- या मामला एक बार फिर कागजों में सिमट जाएगा?

धान खरीदी व्यवस्था किसानों की आय और राज्य की खाद्य सुरक्षा से जुड़ी है। ऐसे में यह प्रकरण केवल आर्थिक नहीं बल्कि जनहित और विश्वास का मामला बन चुका है।

(क्रमशः- जांच जारी है,आगे और खुलासे संभव हैं)

एसडीएम प्रतापपुर ने सीएचसी प्रतापपुर का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सुविधाओं,साफ-सफाई व मूलभूत व्यवस्थाओं का लिया जायजा

-संवाददाता-

सूरजपुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) प्रतापपुर द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) प्रतापपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं सहित साफ-सफाई,विद्युत व्यवस्था,पेयजल आपूर्ति, भवन की स्थिति एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया गया,निरीक्षण के समय बीएमओ प्रतापपुर,एई इलेक्ट्रिक,एसडीओ लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी),एसडीओ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) एवं एसडीओ आरईएस उपस्थित रहे।

व्यवस्थाओं की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

एसडीएम ने अस्पताल परिसर में उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं, ओपीडी,वार्डों,दवा वितरण कक्ष,स्वच्छता व्यवस्था तथा बिजली-पानी की स्थिति की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवश्यक सुधार कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं : एसडीएम

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने स्पष्ट कहा कि आम नागरिकों को बेहतर और सुचारु स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी,उन्होंने निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान चिन्हित कमियों को शीघ्र दूर किया जाए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें,ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जल्द सुधार के निर्देश

एसडीएम ने संबंधित विभागों को अस्पताल में आवश्यक मरम्मत,विद्युत व्यवस्था सुधार, पेयजल आपूर्ति को सुचारु करने एवं स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए समय-सीमा तय कर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, निरीक्षण से स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है,जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर उपचार सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

घटिया सड़क निर्माण की शिकायत पर सीएम ने दिए सख्त निर्देश

विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : सीएम साय

-संवाददाता-

सूरजपुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सूरजपुर आगमन के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता आर.के. शुक्ला के निवास पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ सौजन्य मुलाकात आयोजित की गई, इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और आम नागरिकों से सीधे संवाद किया। बैठक के दौरान रामानुजनगर क्षेत्र से जुड़े एक वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा कराए जा रहे लगभग 50 करोड़ रुपये की सड़क निर्माण योजना में गंभीर अनियमितताओं की शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष रखी।

घटिया गुणवत्ता को लेकर गंभीर आरोप : वरिष्ठ कार्यकर्ता ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि रामानुजनगर नगर क्षेत्र में निर्माणाधीन सीसी रोड की गुणवत्ता अत्यंत खराब है, सड़क निर्माण इस कदर कमजोर किया जा रहा है कि निर्माण पूर्ण होने से पहले ही गिट्टियां उखड़ने लगी हैं, शिकायत में यह भी बताया गया कि भुगतान की प्रक्रिया पूरी होने तक सड़क को सही दर्शाने के उद्देश्य से डामरीकरण और इमर्शन किया जा रहा है, जिससे वास्तविक गुणवत्ता छिपाई जा सके।

मुख्यमंत्री ने जताई कड़ी नाराजगी : मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी स्थिति में घटिया निर्माण कार्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,उन्होंने निर्देश दिए कि जहां भी गुणवत्ताहीन कार्य पाए जाएं, वहां निर्माण कार्य तत्काल बंद कराया जाए तथा संबंधित विधायक एवं जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत दर्ज कराई जाए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पैसा सरकार का नहीं,जनता की गाढ़ी कमाई का है। यह संपत्ति जनता की है और इसका लाभ भी जनता को ही मिलना चाहिए। इसलिए विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जनता में बढ़ा भरोसा : मुख्यमंत्री के सख्त रुख और स्पष्ट निर्देश के बाद क्षेत्रवासियों में गुणवत्तापूर्ण विकास कार्यों को लेकर विश्वास बढ़ा है, लोगों को उम्मीद है कि अब सड़क,भवन और अन्य निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी,स्थानीय कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और विकास कार्य वास्तव में जनता के हित में पूरे होंगे।

कांग्रेस के अल्टीमेटम के बाद शुरू हुआ फेस केवाईसी

नेता प्रतिपक्ष ने जताया आभार,हजारों वंचित होंगे लाभान्वित

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

फिंगर केवाईसी विफलता के कारण राशन से वंचित किए गए हितग्राहियों के लिए राहत भरी खबर है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों द्वारा कलेक्टर को दिए गए अल्टीमेटम पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही करते हुए फेस केवाईसी की सुविधा शुरू कर दी है। जिला खाद्य अधिकारी ने नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद को फोन पर जानकारी दी कि तत्काल प्रभाव से फेस केवाईसी लागू कर दी गई है। अब वे सभी हितग्राही जिनका नाम फिंगर केवाईसी न होने के कारण राशन कार्ड से कट गया था, फेस केवाईसी कराकर पुनः राशन प्राप्त कर सकेंगे। इस फैसले से विशेष रूप से बुजुर्गों, पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों तथा मेहनतकश श्रमिकों को राहत मिलेगी, जिनकी उंगलियों की पहचान मशीनों में नहीं हो पा रही थी। शफी अहमद ने बताया कि प्रभावित हितग्राही अपनी नजदीकी उचित मूल्य दुकान या निर्धारित केंद्र पर जाकर फेस केवाईसी करवा सकते हैं। उन्होंने इस त्वरित निर्णय के लिए जिला प्रशासन एवं खाद्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। कांग्रेस पार्षद दल ने जिले के सभी प्रभावित नागरिकों से अपील की है कि वे फेस केवाईसी की सुविधा का लाभ लेकर राशन प्राप्त करें और किसी प्रकार की समस्या होने पर खाद्य विभाग अथवा अपने जनप्रतिनिधि से संपर्क करे सकते हैं।

कांग्रेस का संगठन सृजन या सत्ता सृजन?

मंडल अध्यक्ष सूची ने कोरिया कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति उघाड़ी

कांग्रेस के सामने अब तीन स्पष्ट विकल्प

सूची की पुनर्समीक्षा और संवाद

कार्यकर्ताओं की नाराजगी को नजरअंदाज कर आगे बढ़ना

व्यक्ति केंद्रित राजनीति को संगठन पर हावी रहने देना

पहला रास्ता कठिन जरूर है,लेकिन संगठन को बचा सकता है।

दूसरा और तीसरा रास्ता फिलहाल आसान लग सकता है, लेकिन भविष्य में भारी राजनीतिक कीमत चुका सकता है।

नवनियुक्त कांग्रेस मंडल अध्यक्ष

नगर मंडल अध्यक्ष - श्री राजेश सिंह पैकरा

पटना मंडल अध्यक्ष - श्री परेश सिंह

बंजारी डांड मंडल अध्यक्ष - श्री बसंत सिंह पोया

पोंड़ी मंडल अध्यक्ष - श्री राहुल जायसवाल

मनसुख मंडल अध्यक्ष - श्री विनोद जायसवाल

बुड़ार मंडल अध्यक्ष - श्री देवनारायण कुशवाहा

बड़गांव मंडल अध्यक्ष - श्री राम साय सोरी

महोरा मंडल अध्यक्ष - श्री संतोष सूर्यवंशी

भांडी मंडल अध्यक्ष - श्री राजू भगत

रनई मंडल अध्यक्ष - श्री आस्तिक शुक्ला

ओड़गी मंडल अध्यक्ष - श्री दीपक साहू

कांग्रेस शहर मंडल अध्यक्ष

बैकुंठपुर शहर मंडल अध्यक्ष - श्री अर्पित गुप्ता

शिवपुर शहर मंडल अध्यक्ष - श्री जागृत कुर्रे

-रवि सिंह-

कोरिया,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। कांग्रेस पार्टी ने मंडल अध्यक्षों की सूची जारी कर भले ही संगठन विस्तार का दावा किया हो, लेकिन कोरिया जिले में यह सूची संगठन को मजबूत करने के बजाय भीतर से झकझोरती नजर आ रही है। जिस संगठन सृजन अभियान को कार्यकर्ताओं से संवाद और लोकतांत्रिक भागीदारी का माध्यम बताया गया था, वही अभियान अब कार्यकर्ताओं की नजर में एक औपचारिक रस्म बनकर रह गया है, सूची जारी होते ही जो असंतोष सामने आया, वह अचानक पैदा हुआ विरोध नहीं है। यह वही दबा हुआ आक्रोश है जो जिलाध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्तियों के समय जन्मा था, लेकिन संगठन के डर और नेतृत्व के दबाव में तब सतह पर नहीं आ पाया,अब वही असंतोष नए रूप में फूट पड़ा है।

कोरिया कांग्रेस का मौजूदा संकट किसी एक सूची का विवाद नहीं,बल्कि यह तय करेगा कि पार्टी वास्तव में कार्यकर्ताओं की है या फिर कुछ चेहरों की परिधि में सिमटती जा रही है, संगठन सृजन यदि केवल मंचीय नारा बनकर रह गया,तो कार्यकर्ता केवल भीड़ बनकर रह जाएंगे और बिना कार्यकर्ता कोई भी पार्टी केवल नाम मात्र का संगठन रह जाती है,अब सवाल यह नहीं है कि मंडल अध्यक्ष कौन बना, सवाल यह है कि कांग्रेस का संगठन किसके हाथ में है?

Chhattisgarh Pradesh Congress Committee
Approved Mandal President

KORIYA

Name of Block	Sl. No.	Name of Mandal	Title	Name of Mandal President	Mobile
Baikunthpur	1	Baikunthpur Nagar	Shri	Rajesh Kumar Paikra	[illegible]
	2	Patna	Shri	Paresh Singh	[illegible]
	3	BanjariDand	Shri	Basant Singh Poya	[illegible]
	4	Pondi	Shri	Rahul Jaiswal	[illegible]
	5	Mansukh	Shri	Vinod Jaiswal	[illegible]
	6	Budar	Shri	DevNarayan Kushwaha	[illegible]
	7	Badgaon	Shri	Ramsai sori	[illegible]
	8	Bhadi	Shri	Raju Bhagat	[illegible]
	9	Mahora	Shri	Santosh Suryavanshi	[illegible]
	10	Ranai	Shri	Astik Shukla	[illegible]
	11	Odgi	Shri	Deepak sahu	[illegible]
Baikunthpur Nagar	12	Baikunthpur Sahar	Shri	Arpit Manu Gupta	[illegible]
Sonhat	13	Sonhat	Shri	Virendra Kumar Sahu	[illegible]
	14	Katgodi	Shri	RajBahadur Rajwade	[illegible]
	15	Keshgawa	Shri	Dil Kumar Gupta	[illegible]
	16	[illegible]	Shri	[illegible]	[illegible]
	17	Ramgarh	Shri	Ganesh Gupta	[illegible]
Shivpur Charcha Nagar	18	Shivpur Charcha sahar	Shri	Jagrit Kurre	[illegible]

(Malkeet Singh Gaidu)
General Secretary

नेतृत्व की चुप्पी और बढ़ता अविश्वासः-नाराज कार्यकर्ताओं द्वारा वरिष्ठ नेताओं से संपर्क किए जाने के बावजूद ठोस हस्तक्षेप न होना स्थिति को और गंभीर बना रहा है, राजनीतिक इतिहास गवाह है जब संगठन में असंतोष को समय के साथ शांत हो जाएगा मान लिया जाता है,तब वही असंतोष चुनावी समय में विस्फोट बन जाता है,फिलहाल कोरिया कांग्रेस उसी मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है।

घोषणाएं कार्यकर्ताओं की, निर्णय नेताओं के...

कांग्रेस नेतृत्व ने संगठन सृजन अभियान के दौरान स्पष्ट कहा था कि नियुक्तियां कार्यकर्ताओं की मंशा से होंगी,जमीनी राय को प्राथमिकता दी जाएगी,बंद कमरे की राजनीति समाप्त होगी,लेकिन जब मंडल अध्यक्षों की सूची सामने आई,तो कार्यकर्ताओं को लगा कि निर्णय प्रक्रिया में उनका स्थान कहीं था ही नहीं, कार्यकर्ताओं का आरोप सीधा है नाम उन्होंने सुझाए,लेकिन चयन किसी और ने तय किया,यही कारण है कि अब सवाल केवल सूची का नहीं,बल्कि नियुक्ति की विश्वसनीयता का बन गया है।

भाजपा मॉडल की नकल,लेकिन अनुशासन गायब

मंडल अध्यक्ष पद की अवधारणा भाजपा संगठनात्मक ढांचे से प्रेरित मानी जा रही है,लेकिन राजनीति के जानकारों का मानना है कि कांग्रेस ने केवल संरचना अपनाई,उसकी आत्मा नहीं,भाजपा में मंडल प्रणाली संगठनात्मक अनुशासन,स्पष्ट जिम्मेदारी और सामूहिक निर्णय पर टिकी होती है। वहीं कांग्रेस में यह पद अब गुट संतुलन,व्यक्ति विशेष की पसंद, और शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बनता दिख रहा है,यही अंतर दोनों दलों की कार्यसंस्कृति को उजागर करता है।

पूर्व विधायक बनाम संगठन-असली टकराव

कोरिया कांग्रेस में उभरता असंतोष किसी सामान्य नियुक्ति विवाद का परिणाम नहीं है। इसके केंद्र में है संगठन की सामूहिक सोच बनाम एक प्रभावशाली चेहरे की व्यक्तिगत मंशा,कार्यकर्ताओं के आरोपों में बार-बार एक ही नाम सामने आना यह दर्शाता है कि जिले की राजनीति अब विचारधारा से ज्यादा व्यक्ति-केन्द्रित सत्ता संरचना में सिमटती जा रही है, यदि जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष और अब मंडल अध्यक्ष तीनों स्तरों पर एक ही प्रभाव दिखाई दे,तो यह स्वाभाविक है कि कार्यकर्ता स्वयं को हाशिए पर महसूस करें।

कार्यकर्ता की सबसे बड़ी पीड़ाः सम्मान का अभाव

कांग्रेस का पारंपरिक आधार हमेशा उसका कार्यकर्ता रहा है,लेकिन कोरिया में आज वही कार्यकर्ता कह रहा है हमसे राय ली गई, लेकिन हमें सुना नहीं गया,राजनीति में पद से ज्यादा महत्वपूर्ण सम्मान होता है। जब सम्मान खत्म होता है,तब संगठनात्मक निष्ठा भी कमजोर पड़ती है,यही कारण है कि अब इस्तीफे की बातें केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि लंबे समय की उपेक्षा का परिणाम हैं।

चुनावी दृष्टि से क्यों खतरनाक है यह असंतोष?

कोरिया जिला पहले से ही कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा है। ऐसे में कार्यकर्ताओं का मोहभंग,गुटबाजी का विस्तार, संगठनात्मक दूरी पार्टी को जमीनी स्तर पर और कमजोर कर सकती है, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि मंडल स्तर का ढांचा ही असंतोष से ग्रस्त रहा,तो बूथ प्रबंधन और जनसंपर्क अभियान पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भखार में तृतीय पालक-शिक्षक मेगा बैठक संपन्न,बच्चों के सर्वांगीण विकास पर हुआ व्यापक मंथन

-संवाददाता-

कोरिया/पटना,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुरूप शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भखार में आज तृतीय पालक-शिक्षक मेगा बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने हेतु अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं भावनात्मक प्रगति पर चर्चा करना, शिक्षा से जुड़ी शासकीय योजनाओं की जानकारी देना तथा स्कूल और घर के बीच शिक्षा को लेकर मजबूत संवाद विकसित करना रहा, कार्यक्रम का शुभारंभ वीणा वादिनी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। यह आयोजन शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष श्री संजय चिकंजुरी एवं श्री नंद प्रजापति की उपस्थिति में, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पुष्पा सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के परीक्षा प्रभारी गोरेलाल पैकरा ने अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम की विस्तार से विवेचना करते हुए विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर, उपलब्धियों एवं सुधार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्राचार्य महोदया ने बेहतर परीक्षा परिणाम हेतु पालकों से बच्चों को नियमित अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया।

शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संजय चिकंजुरी ने विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय आने, अनुशासन का पालन करने एवं लगन के साथ अध्ययन करने का प्रेरक संदेश दिया। वहीं वरिष्ठ व्याख्याता राजेश पाण्डेय ने कार्यक्रम का प्रभावी संचालन करते हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को अनुशासन, समयपालन एवं सकारात्मक सोच अपनाने की सीख दी।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ व्याख्याता सुनील कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं श्रीमती रेखा जायसवाल, कविता नामदेव, बसंतलाल कुजूर, दीपा साहू, राजेश भगत, लक्ष्मण साय, अर्चना गुप्ता, कल्पना दवे, संगीता तिग्गा, सुशीला ठाकुर, गीता सिंह, रत्ना मिश्रा, सौरभ साहू सहित बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित रहे, मेगा बैठक के माध्यम से विद्यालय में शिक्षा के क्षेत्र में समाज की भागीदारी को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई, जिसे उपस्थित पालकों ने सराहनीय बताया।

मल्लिका रूद्रा ने शिक्षा जगत में चिरमिरी को दिया नया आयाम

लाखों विद्यार्थी हो रहे हैं हिंदी क्रियाकलाप व व्याकरण पुस्तक से लाभान्वित

-संवाददाता-

चिरमिरी,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। शिक्षा नीति निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में अब चिरमिरी ने भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना ली है,शहर की युवा,प्रतिभाशाली कवि, लेखिका एवं साहित्यकार तथा डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल चिरमिरी की हिंदी शिक्षिका श्रीमती मल्लिका रूद्रा ने कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों के लिए एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित हिंदी व्याकरण की अभ्यास पुस्तक गोल्डेन 'वीणा' का लेखन कर शिक्षा जगत को नई दिशा प्रदान की है,यह पुस्तक प्रतिष्ठित न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित की गई है, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के नवीनतम उद्देश्यों और शिक्षण पद्धतियों को केंद्र में रखते हुए विषयवस्तु को समाहित किया गया है।

सरल, रोचक और गतिविधि आधारित शिक्षण का अनूठा प्रयास

पुस्तक को विद्यार्थियों के मानसिक स्तर को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार तैयार किया गया है कि हिंदी व्याकरण कठिन न लगकर एक रोचक अनुभव बने, इसमें विविध क्रियाकलाप आधारित अभ्यास, आकर्षक चित्रों का समावेश, दैनिक जीवन से जुड़े सरल उदाहरण, और भाषायी दक्षता के साथ जीवन कौशल विकास को विशेष महत्व दिया गया है, श्रीमती रूद्रा के शिक्षण अनुभव और सतत परिश्रम का प्रतिफल है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों को केवल परीक्षा केंद्रित न रखकर व्यावहारिक ज्ञान से भी जोड़ती है।

विश्व पुस्तक मेले में मिली राष्ट्रीय पहचान

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित वर्ल्ड बुक फेयर-2026 में इस पुस्तक का भव्य प्रदर्शन किया गया। यह पुस्तक हॉल क्रमांक-10, स्टॉल नंबर W-6 पर उपलब्ध रही,जहाँ देशभर से आए शिक्षा प्रेमियों, शिक्षकों, प्रकाशकों एवं विद्यार्थियों ने इसे नई शिक्षा नीति के अनुरूप अत्यंत उपयोगी एवं प्रभावशाली अध्ययन सामग्री बताया।

75 लाख विद्यार्थियों तक पहुँचने का लक्ष्य

श्रीमती मल्लिका रूद्रा का कहना है गोल्डेन 'वीणा' अभ्यास पुस्तक का उद्देश्य बच्चों को केवल भाषा ज्ञान देना नहीं,बल्कि उन्हें जीवन जीने की कला से भी परिचित कराना है,उनका विश्वास है कि यह पुस्तक देशभर के लगभग 75 लाख विद्यार्थियों तक पहुँचेगी तथा विदेशों में भी हिंदी भाषा शिक्षण को एक नया आयाम प्रदान करेगी।

कोयलांचल क्षेत्र में खुशी की लहर

चिरमिरी की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे कोयलांचल क्षेत्र में गर्व और उत्साह का वातावरण है, शिक्षा जगत से जुड़े शिक्षकवृंद,साहित्यकार,बुद्धिजीवी वर्ग एवं समाज के जागरूक नागरिकों ने श्रीमती मल्लिका रूद्रा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं,यह उपलब्धि न केवल चिरमिरी बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है।

डीपीएस का दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का हुआ आयोजन

-संवाददाता-

कोरबा,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बालको में सत्र 2025-26 का दो दिवसीय वार्षिक खेल दिवस उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस खेल महोत्सव में नर्सरी से कक्षा चौथी तक के विद्यार्थियों ने पूरे जोश, उमंग और खेल भावना के साथ भाग लिया। खेल महोत्सव का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य कैलाश पवार एवं छात्र प्रतिनिधियों द्वारा आकाश में रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर किया गया। जंबल मार्च-पास्ट कार्यक्रम ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। दोनों दिनों में लगभग 1000 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पहले दिन नर्सरी से कक्षा एक तक के विद्यार्थियों के लिए खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस अवसर पर खेल महोत्सव का उद्घाटन प्री नर्सरी के छात्र विराट चौधरी ने तथा समापन छात्रा शांभवी नायक द्वारा किया गया। इसके अगले दिन कक्षा 2 से 4 तक के विद्यार्थियों के लिए खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस दिन खेल महोत्सव का उद्घाटन सुप्रीथा ममिल्लापल्ली ने किया एवं समापन अंजनैया चौहान द्वारा किया गया।

खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ लगभग 70-70 विद्यार्थियों के समूहों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक फील्ड डिस्प्ले कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। सभी प्रस्तुतियां पूर्णतः समन्वित एवं अनुशासित थीं। कार्यक्रम में हर्डल रेस, सैपलिंग रेस, बैग अरेंजिंग रेस सहित पारंपरिक एवं रचनात्मक खेलों का सुंदर समावेश देखने को मिला। इसके अतिरिक्त, सत्र 2024-25 के अकादमिक पुरस्कार भी दोनों दिनों में संबंधित कक्षाओं के विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। इन गतिविधियों ने बच्चों में आत्मविश्वास,खेल भावना एवं उत्साह का संचार किया,वहीं उपस्थित अभिभावकों को भी अपने बचपन की मधुर स्मृतियों की याद दिला दी। कार्यक्रम का समापन वार्षिक खेल महोत्सव के औपचारिक समापन की घोषणा एवं राष्ट्रगान के साथ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202601020700107

विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

फुन्दुरडिहारी प.ह.न.00016 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार -काशी राम बारी,
अनावेदक पक्षकार छ0ग0शासन,

ईश्तहार

आवेदक काशी राम बारी आ0 स्व0 रामाधार बारी, निवासी वार्ड क्रमांक-05, गोधनपुर, फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 385/42 रकबा 0.020 हे0 भूमि के राजस्व रिकार्ड में रकबा 0.020 हे0 के स्थान पर त्रुटिवश रकबा 0.010 हे0 अंकित हो गया है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के रकबे में हुये त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/01/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज, तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अरूण कुमार आ0 नंन्दराम चन्द जाति गोड़ निवासी रिंग रोड़ नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 463/4 व्यवसायिक रकबा 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 21 /01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर ,जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 1835./ब-121/2024
सूरजपुर, दिनांक 21/01/2026

आवेदक/आवेदिका का नाम धरमपाल आ0 स्व0 कुदर साय जाति गोड़ निवासी ग्राम कुरूवां प0ह0न0 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने पिता स्व0 कुदर साय मृत्यु दिनांक 05/10/2011 मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 04/02/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
इस ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार सूरजपुर
सील — जिला सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर ,जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 1834./ब-121/2024
सूरजपुर, दिनांक 21/01/2026

आवेदक/आवेदिका का नाम धरमपाल आ0 स्व0 कुदर साय जाति गोड़ निवासी ग्राम कुरूवां प0ह0न0 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने माता स्व0 मंगली मृत्यु दिनांक 05/10/2011 मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 04/02/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
इस ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार सूरजपुर
सील — जिला सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर ,जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

क्रमांक/1764/वाचक/2025
सूरजपुर, दिनांक 14/01/2026

सर्व साधारण ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम/नगर तिलसिवां प0ह0न0... तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक माया बाई पिता/पति फुल साय जाति गोड़ निवासी ग्राम तिलसिवां पोस्ट सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने बाबा सुखल साय पिता/पति ठुईचो मृत्यु तिथि 01/09/2009 स्थान तिलसिवां के मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है। अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति / आक्षेप हो तो वे स्वंय अथवा अपनें अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 28/01/2026 दिन बुधवार को उपस्थित होकर दावा / आपत्ति / आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा / आपत्ति / आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 14/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार सूरजपुर
सील — जिला सूरजपुर,छ0ग0

भाजपा ने तीन मोर्चों की जिला कार्यसमिति घोषित की

युवा,किसान और अनुसूचित जनजाति मोर्चा को मिली नई टीम, संगठन विस्तार की दिशा में बड़ा कदम, जिले में पार्टी को मिलेगी नई ऊर्जा

-संवाददाता-
कोरिया,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा एवं किसान मोर्चा की जिला कार्यसमिति एवं मंडल पदाधिकारियों की सूची आधिकारिक रूप से जारी कर दी है।

तीनों मोर्चों की नई टीम का गठन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव, प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय के मार्गदर्शन में तथा भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी की सहमति से संबंधित मोर्चा जिलाध्यक्षों द्वारा किया गया,पार्टी नेतृत्व ने विश्वास व्यक्त किया है कि इन नई कार्यसमितियों के माध्यम से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी और केंद्र-राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में युवाओं, किसानों और आदिवासी समाज की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित होगी।

संगठन को मिलेगी नई दिशा तीनों मोर्चों के जिलाध्यक्षों ने कहा कि...

नई कार्यसमिति पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करेगी

युवाओं,किसानों एवं आदिवासी समाज को संगठन से जोड़ेगी

केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाएगी...

आगामी चुनावी चुनौतियों के लिए संगठन को तैयार करेगी, नई नियुक्तियों के साथ भाजपा संगठन में उत्साह का माहौल है और जिले में पार्टी को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है...

भाजपा किसान मोर्चा की नवगठित जिला कार्यसमिति घोषित

शिवचरण साहू के नेतृत्व में संगठन को मिली नई मजबूती

किसान मोर्चा की जिला कार्यसमिति का गठन जिलाध्यक्ष शिवचरण साहू द्वारा किया गया, उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा किसानों के हितों की रक्षा, योजनाओं के प्रचार-प्रसार और संगठन विस्तार को प्राथमिकता देगा।

जिला पदाधिकारी

जिला उपाध्यक्ष- रितेश सिंह, दिलीप यादव, ईश्वर साहू, महेन्द्र साहू
जिला महामंत्री- जय चक्रधारी, प्रेमप्रकाश पाण्डेय
जिला मंत्री- आनंद राजवाड़े, विनोद राजवाड़े, सुनील दुबे, बसंत सिंह, सोना यादव
कोषाध्यक्ष - रामसागर तिवारी
मीडिया प्रभारी - अशोक यादव

किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष

बैकुण्ठपुर - प्रदीप कुमार राजवाड़े
चरचा - दिनेश कुमार पुरी
सलका - दिनेश चेरवा
कुड़ेली - बालकृष्ण द्विवेदी
पटना - अजीत राजवाड़े
बचरापोड़ी - हीरावन साहू
सोनहत - हरिश्चन्द्र राजवाड़े

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की जिला कार्यसमिति घोषित

अनुसूचित जनजाति मोर्चा की जिला कार्यसमिति की घोषणा जिलाध्यक्ष विमलचंद चेरवा द्वारा की गई, उन्होंने कहा कि नई टीम आदिवासी समाज के अधिकार, विकास और कल्याण योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू कराने के लिए कार्य करेगी।

प्रमुख पदाधिकारी

जिला उपाध्यक्ष- रघुनाथ सिंह, समयलाल चेरवा (सहादुर), संतोष सिंह, जगदीश सिंह
जिला महामंत्री- कमलेश एक्का, राय सिंह
जिला मंत्री- देवलाल चेरवा, छत्रपाल सिंह, विश्वनाथ सिंह, लक्ष्मण नायक, उग्रसेन तिर्की, नंदनी सिंह
कोषाध्यक्ष - अमरसाय
मीडिया प्रभारी - प्रीतम भगत

मंडल अध्यक्ष

बैकुण्ठपुर - महेन्द्र चेरवा
चरचा - लालचंद
सलका - महेन्द्र पैकरा
कुड़ेली - लहर साय
पटना - मंगल सिंह
बचरापोड़ी - राजेन्द्र सिरदार
सोनहत - मैन प्रताप सिंह

भाजयुमो की जिला कार्यसमिति घोषित

सतेन्द्र राजवाड़े के नेतृत्व में युवा मोर्चा को मिली नई टीम भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की जिला कार्यसमिति एवं मंडल अध्यक्ष-महामंत्री सूची जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राजवाड़े द्वारा जारी की गई, उन्होंने कहा कि नई टीम युवाओं को संगठन से जोड़ने और राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ कार्य करेगी।

जिला पदाधिकारी

जिला उपाध्यक्ष- रमेश तिवारी, कमलेश साहू, राकेश खाखा, शुभम जायसवाल
जिला महामंत्री- मनोज साहू, सुश्री साक्षी सिंह
जिला मंत्री- प्रवेन्द्र सिंह, लल्ला यादव, दीपक कुशवाहा, उर्मिला पैकरा, मनीष साहू
कोषाध्यक्ष - अरुण राज कुर्रे
सह कोषाध्यक्ष - राहुल चौधरी, रणविजय सिंह
कार्यालय प्रमुख - संजय साहू
सह कार्यालय प्रमुख - आशीष गुप्ता
मीडिया प्रभारी - राजीव घोष
सह मीडिया प्रभारी - सूजय जैन, भगवान यादव
प्रशिक्षण प्रमुख - रवि राजवाड़े
आईटी सेल प्रभारी - शिवम सागर
सोशल मीडिया प्रभारी - रमेश राजपूत (विक्की)
(अन्य पदाधिकारियों व कार्यसमिति सदस्यों की सूची यथावत)

युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष-महामंत्री

बैकुण्ठपुर - अध्यक्ष विकास दुबे,महामंत्री भुनेश्वर राजवाड़े
चरचा - अध्यक्ष श्रीराम दुबे,महामंत्री कमलेश बघेल
सलका - अध्यक्ष शक्ति साहू,महामंत्री तेजप्रताप सिंह
कुड़ेली - अध्यक्ष मनोज यादव
पटना - अध्यक्ष जय राजवाड़े,महामंत्री कपिल कुशवाहा
बचरापोड़ी - अध्यक्ष प्यारे सिंह,महामंत्री विजय श्रीवास
सोनहत - अध्यक्ष दिलीप राजवाड़े,महामंत्री सोनू प्रजापति

शंकराचार्य को शाही स्नान से रोकना भाजपा का हिन्दू विरोधी चरित्र : शशि सिंह

शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान – जिला कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया

प्रयागराज माघ मेले में संत पर प्रतिबंध,कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा

40 वर्षों की परंपरा टूटी, शंकराचार्य को स्नान से रोके जाने पर कांग्रेस का आक्रोश

-संवाददाता-
सूरजपुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को शाही स्नान से रोके जाने एवं उनके साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है,जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे सनातन परंपरा पर सीधा प्रहार बताया है। उन्होंने कहा कि स्वयं को हिंदुओं का सबसे बड़ा हितैषी बताने वाली भाजपा सरकार आज हिंदू संतों के अपमान पर उतर आई है। हालात इतने गंभीर हैं कि शंकराचार्य को अपनी सुरक्षा को लेकर भय की स्थिति बनी हुई है और वे पिछले 36 घंटे से अनशन पर बैठने को विवश हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक उनसे संवाद का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया।

समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार,बाल पकड़कर घसीटने के आरोप

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि शंकराचार्य के शिष्यों एवं समर्थकों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया,उन्हें बाल पकड़कर घसीटा गया,धक्का-मुक्की की गई और शंकराचार्य को उनकी पालकी तक ले जाने की अनुमति तक नहीं दी गई,उन्होंने सवाल उठाया कि जब धार्मिक आस्था के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा सत्ता में है,तो फिर संतों और साधुओं के साथ इस प्रकार का व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

सनातन परंपरा पर सीधा हमला

शशि सिंह ने कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले 40 वर्षों से लगातार शाही स्नान करते आ रहे हैं, यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड धार्मिक परंपरा से रोका गया है, उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या का शाही स्नान सदियों पुरानी सनातन परंपरा है,जिसे न तो मुगल शासकों ने रोका और न ही अंग्रेजों ने, लेकिन आज भाजपा सरकार ने इस परंपरा को तोड़ने का दुस्साहस किया है,उन्होंने आरोप लगाया कि शंकराचार्य को शाही स्नान से रोकना केवल एक संत का नहीं बल्कि पूरे सनातन धर्म का अपमान है।

सुरक्षा में दोहरा मापदंड : कांग्रेस

शशि सिंह ने कहा कि एक ओर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जेड-प्लस सुरक्षा प्रदान की जाती है, वहीं दूसरी ओर शंकराचार्य के अनुयायियों पर लाठीचार्ज और मारपीट की जाती है,उन्होंने तीखा सवाल करते हुए कहा क्या अब मोहन भागवत, शंकराचार्य से भी बड़े हो गए हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संतों में भी पसंद-नापसंद की राजनीति कर रही है।

सरकार की आलोचना करना बना अपराध

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अपराध केवल इतना है कि वे सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हैं, अयोध्या में आधे-अधूरे राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर आपत्ति जताते हैं,महाकुंभ की अव्यवस्थाओं को उजागर करते हैं,कोविड काल में गंगा में बहती लाशों जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सच बोलते हैं, इसी कारण भाजपा सरकार उन्हें दबाने और अपमानित करने पर आमादा है।

हिंदुत्व के नाम पर ढोंग कर रही भाजपा : कांग्रेस

शशि सिंह ने कहा कि भाजपा पिछले 12 वर्षों से केंद्र की सत्ता में रहते हुए हिंदुत्व के नाम पर राजनीति करती रही है, लेकिन जब वास्तविक सनातन परंपरा और संत समाज के सम्मान की बात आती है, तब उसका असली चेहरा सामने आ जाता है, उन्होंने कहा कि यह घटना साबित करती है कि भाजपा का हिंदुत्व केवल चुनावी मंचों और भाषणों तक सीमित है, जबकि धरातल पर संत, परंपरा और आस्था का अपमान किया जा रहा है।

कांग्रेस ने की न्याय की मांग

जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर ने मांग की है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से तत्काल संवाद किया जाए, उनके सम्मान और सुरक्षा की गारंटी दी जाए, शाही स्नान जैसी परंपरा में किसी भी प्रकार की बाधा समाप्त की जाए, दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो, कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र संज्ञान नहीं लिया तो यह मुद्दा देशव्यापी आंदोलन का रूप ले सकता है, जिला कांग्रेस कमेटी ने स्पष्ट कहा कि शंकराचार्य का अपमान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सनातन धर्म और भारत की आत्मा का अपमान है।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर ने सीएसईबी ग्राउंड का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
कोरबा,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर कुणाल दुदावत एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने गणतंत्र दिवस की तैयारियों के संबंध में सीएसईबी ग्राउंड का निरीक्षण किया। उन्होंने मंच व्यवस्था,बैठक व्यवस्था, गाड़ियों की पार्किंग,झांकी के एंट्री-एक्जिट प्लान एवं सुरक्षा व्यवस्था के बारे में चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी तैयारियों को समय सीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। 24 जनवरी को गणतंत्र दिवस के संबंध में अंतिम रिहर्सल किया जाएगा। कलेक्टर ने निगमायुक्त श्री आशुतोष पांडेय को आयोजन स्थल पर मंच निर्माण सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, एसडीएम कोरबा श्री सरोज महिलांगे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। परेड में सीआईएसएफ, पुलिस, नगर सेना एवं एनसीसी, स्काउट गाइड की टुकड़ियां भाग लेंगे। समारोह सुबह नौ बजे शुरू होगा। समारोह के मुख्य अतिथि द्वारा मुख्यमंत्री के छत्तीसगढ़ वासियों के लिए प्रेषित संदेश का वाचन किया जाएगा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों, डॉक्टरों,पुलिस कर्मियों एवं स्वास्थ्य कर्मियो सहित विभिन्न विभागों को सम्मानित किया जाएगा। जिला स्तर पर आयोजित गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में विभिन्न विभागीय योजनाओं की चलित झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। गणतंत्र दिवस पर सभी शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों तथा राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों पर रोशनी की जाएगी। जनपद कार्यालयों में जनपद अध्यक्ष एवं नगरीय निकायों में नगरीय निकाय के महापौर या अध्यक्षों द्वारा ध्वजारोहरण किया जाएगा।

नाबालिग छात्रा की घर वापसी में सिस्टम बना बाधा,एनएसयूआई ने उठाई आवाज

आईडी मिसमैच ने रोकी छात्रा की रिहाई,6 माह से बैंगलोर में कैद मासूम

पुलिस की गलती से बैंगलोर में कैद मासूम,परिजन 6 माह से न्याय को तरसे

सरकारी चूक की सजा भुगत रही 15 वर्षीय छात्रा,एनएसयूआई ने प्रशासन को घेरा

बिहारपुर की बेटी को कब मिलेगा न्याय? एनएसयूआई ने प्रशासन से की तत्काल कार्रवाई की मांग

-संवाददाता-
सूरजपुर,22 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

बिहारपुर निवासी 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा को बैंगलोर से सुरक्षित वापस लाने की मांग को लेकर आज एनएसयूआई ने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए छात्रा को शीघ्र स्वदेश वापस लाने की मांग की,ज्ञापन सौंपने के दौरान पूर्व विधायक पारस नाथ राजवाड़े,पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े,पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह,शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया,नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

6 माह से बैंगलोर के बाल विकास गृह में है छात्रा

जानकारी देते हुए बताया गया कि ग्राम करौटी, थाना चांदनी,बिहारपुर ब्लॉक ओडगी निवासी राजेन्द्र सिंह की 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री सूरजपुर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में अध्ययनरत थी। पढ़ाई के लिए वह वकील कॉलोनी में किराए के मकान में अपने सहपाठियों के साथ रहकर अध्ययन कर रही थी,दिनांक 30 जुलाई 2025 को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा छात्रा को बहला-फुसला कर ले जाया गया। घटना को छह माह से अधिक समय बीत चुका है, किंतु छात्रा अब तक अपने घर वापस नहीं लौट सकी है, जांच के दौरान पुलिस एवं प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रा को बैंगलोर के यशवंतपुर से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित बाल विकास गृह में रखा गया है। जिस व्यक्ति के साथ वह गई थी,वह काफी समय पूर्व वापस आ चुका है, परंतु छात्रा अब भी वहीं रह रही है।

प्रशासनिक लापरवाही बनी छात्रा की वापसी में बाधा

परिजनों ने बताया कि जब छात्रा को वापस लाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग सूरजपुर के अधिकारी,कुछ पुलिसकर्मी तथा परिवार का एक सदस्य बैंगलोर गए,तब गंभीर लापरवाही सामने आई,जिन पुलिस कर्मियों के नाम आदेशित सूची में दर्ज थे,वे मौके पर नहीं पहुंचे, बल्कि अन्य पुलिस बल भेज दिए गए। बैंगलोर बाल विकास विभाग द्वारा जब सूची और पुलिसकर्मियों के पहचान पत्र (आईडी) का मिलान किया गया तो वह मेल नहीं खा सका,जिसके चलते अधिकारियों ने छात्रा को सौंपने से इनकार कर दिया, इसी प्रशासनिक चूक के कारण आज भी नाबालिग छात्रा बैंगलोर में फंसी हुई है और उसके परिजन पिछले कई महीनों से मानसिक,सामाजिक और आर्थिक पीड़ा झेल रहे हैं।

कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग

एनएसयूआई व कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर से मुलाकात कर पूरे मामले में त्वरित हस्तक्षेप करते हुए सही आदेश जारी करने,अधिकृत पुलिस दल भेजने तथा छात्रा को सुरक्षित घर वापस लाने की मांग की,प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह मामला न केवल एक नाबालिग बच्ची की सुरक्षा से जुड़ा है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर उदाहरण भी है,जिसकी तत्काल जांच और सुधार आवश्यक है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान उपस्थित रहे...

इस अवसर पर विष्णु कसेरा,नीरज तायल, मधु साहू,सैयद नदीम,मुस्तफा खान,तनवीर, अफरोज अंसारी,शिवम साहू,लिवनेश सिंह, सुमंत राजवाड़े,हैदर अली,आयुष शांडिल्य, ललित सहित छात्रा के पिता राजेन्द्र सिंह उपस्थित थे,एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि यदि छात्रा को शीघ्र वापस नहीं लाया गया तो संगठन आंदोलनात्मक कदम उठाने को मजबूर होगा।

CMYK

कृष्णा अभिषेक का बयान सुनकर कहीं फिर रूठ न जाएं मामा गोविंदा

गोविंदा और कृष्णा अभिषेक के रिश्ते में मतभेद की खबरें आती रहती हैं। हाल ही में गोविंदा ने पत्नी सुनीता आहूजा के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कृष्णा अभिषेक का नाम भी घसीटा था। गोविंदा ने कहा था कि उनकी इंसल्ट करने के लिए राइटर उनके भांजे को यूज करते हैं, जिस पर अब कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने रिएक्ट किया है। गोविंदा पिछले कुछ समय से पत्नी सुनीता आहूजा की वजह से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी पत्नी ने 63 वर्षीय अभिनेता पर आरोप लगाया है कि गोविंदा का किसी युवा महिला के साथ अफेयर है।

गोविंदा ने हाल ही में अपने ऊपर लगे सभी आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने यह दावा किया है कि सुनीता और उनके भांजे कृष्णा अभिषेक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो उनके खिलाफ एक साजिश है। गोविंदा की इस बयानबाजी को सुनकर कृष्णा अभिषेक खुद को रोक नहीं पाए और उन्होंने ऐसा जवाब दिया, जिससे मामा-भांजे के रिश्ते में कड़वाहट और बढ़ सकती है।

मामा अलग नजरिए से चीजें देखते हैं

लाफ्टर शेफ्स फेम कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने एचटी सिटी से बातचीत में कहा, ÷मैं गोविंदा मामा से बहुत प्यार करता हूं और उनका आदर करता हूं। वह लीजेंड हैं, लेकिन उनके ख्यालात बिल्कुल अलग ही हैं। तो शायद ये एक कारण हो सकता है कि वह चीजों को अलग तरह से देखते हैं। यही सेम बयान लोग पॉजिटिव भी तरह से भी लेंगे और ताने के तरीके से भी लेंगे। मैं हर चीज जो पॉजिटिव तरीके से लेता हूं।

कृष्णा को लेकर गोविंदा ने किया था ये दावा

दरअसल, पत्नी सुनीता आहूजा के आरोपों पर रिएक्ट करते हुए गोविंदा ने कहा, ÷मैंने कितनी बार शादी की है? 40 साल हो चुके हैं। क्या मैंने 2-3 बार शादी की है? वह लोग जो बहुत बार शादी करते हैं, उनकी पत्नियां कुछ नहीं कहतीं और अपनी जिंदगी में मजे कर रहे हैं। जो लोग फिल्म लाइन में हैं, वह ये सब चीजे डिस्कस नहीं करते हैं। मैंने इस इंडस्ट्री में शायद ही किसी को बेदाग देखा हो। गोविंदा ने ये भी दावा किया कि उनकी पत्नी और कृष्णा को उनके खिलाफ यूज किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ÷अगर आप कृष्णा अभिषेक का टीवी शो देखें, तो राइटर उन्हें ऐसी चीजें लिखकर देते हैं, जिससे मेरी इंसल्ट हो। मैंने उससे कहा था कि उसका इस्तेमाल मेरी इंसल्ट करने के लिए किया जा रहा है और उसे सावधान रहना चाहिए। जब मैंने कृष्णा को आगाह किया, तो सुनीता नाराज हो गईं। मुझे समझ नहीं आता कि ये लोग कब एक-दूसरे से नाराज हो जाते हैं और कब साथ हो जाते हैं। मैं शांत स्वभाव का आदमी हूं।

496 मिलियन व्यूज के साथ यूट्यूब पर छाया किशोर कुमार का ये गाना,62 साल पहले हुआ था रिलीज

गायक किशोर कुमार ने अपने करियर में कई शानदार गीत गाए। लेकिन उनका एक यादगार गाना ऐसा है, जिसे यूट्यूब 496 मिलियन व्यूज मिले हैं और नंबर-1 बना हुआ है। आइए जानते हैं कि वह गाना कौन सा है। पुराने गानों के मामले में गायक किशोर कुमार का दबदबा आज भी बना हुआ है। उनके गीतों को सुनकर श्रोताओं के दिलों को सुकून मिलता है। इस आधार पर आज हम आपको किशोर कुमार के एक यादगार गीत के बारे में बताने जा रहे हैं, जो यूट्यूब पर व्यूज के मामले में उनका सबसे ज्यादा देखे जाना वाला गीत बना हुआ है। 62 साल पहले रिलीज हुआ ये गाना मौजूदा समय में भी हर किसी को पसंद आता है। सैड सॉन्ग के मामले में किशोर दा के इस गीत का कोई मुकाबला नहीं है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस लेख में किशोर कुमार के कौन से गाने के बारे में चर्चा की जा रही है।

यूट्यूब पर किशोर कुमार के गाने का राज

सुरों के सरताज किशोर कुमार ने अपने सिंगिंग करियर में एक से बढ़कर एक गीत को आवाज दी थी। उनमें से एक गाना यूट्यूब पर खूब पसंद किया जाता है। दरअसल किशोर दा के जिस के बारे में इस लेख में चर्चा की जा रही है, वह उनकी फिल्म मिस्टर एक्स इन मुंबई का है, जिसे साल 1964 में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। उस गीत के बोल- मेरे महबूब कयामत होगी हैं।

जी हां किशोर कुमार के मेरे महबूब कयामत होगी सैड सॉन्ग को यूट्यूब चैनल बॉलीवुड क्लासिक पर अपलोड किया गया है। इस गाने पर अब तक 496 मिलियन व्यूज आ चुके हैं और 2.8 मिलियन लाइक्स भी इसे मिले हैं। 12 साल पहले किशोर दा के इस गीत को यूट्यूब पर अपलोड किया गया था और तब से लेकर अब तक ये फैंस का फेवरेट बना हुआ है।

कुल मिलाकर कहा जाए तो मेरे महबूब कयामत होगी गायक किशोर कुमार के आइकॉनिक सॉन्ग्स में भी शुमार है, जिसे कई म्यूजिक एल्बम और फिल्मों में रीमेक किया जा चुका है।

किशोर कुमार ने गाए इतने गीत

गायक किशोर कुमार ने अपने सुनहरे सिंगिंग करियर में 1940 से 1987 के दौरान करीब 16,000 से ज्यादा गानों को अपनी आवाज दी थी। ओल्ड इज गोल्ड के आधार पर आज भी किशोर दा के गीतों को हर कोई सुनना पसंद करता हैं। अगर भी किशोर कुमार के फैन हैं तो आपकी प्लेलिस्ट में मेरे महबूब कयामत

सयानी गुप्ता के फिल्मों में आने से नाराज थीं उनकी मां,दे डाली थी धमकी

अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने खुलासा किया है कि उनकी मां उनके अभिनय करियर के खिलाफ थीं। जब सयानी ने अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर एफटीआईआई में दाखिला लिया, तो उनकी मां इतनी नाराज हुईं कि उन्होंने एक महीने तक बात नहीं की।

मां ने उन्हें थिएटर प्रैक्टिस करने से भी रोका

बॉलीवुड एक्ट्रेस सयानी गुप्ता को हाल ही में फोर मोर शॉट्स प्लीज सीजन 4 में देखा गया था। एक्ट्रेस को अपने किरयर में कुछ चुनिंदा फिल्मों में ही देखा गया लेकिन उनके सभी रोल तारीफ के काबिल हैं। एक्ट्रेस को लीग से हटकर किरदार करने के लिए जाना जाता है और उनकी गिनती बोल्ड एक्ट्रेसेज में होती है।

एक महीने तक नहीं की थी बात

अब एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि वो बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थीं और इस फील्ड के बारे में अधिक से अधिक जानना चाहती थीं। हालांकि उनकी मां इसमें बिल्कुल भी सपोर्टिव नहीं थीं। फिल्मों में आने के लिए सयानी ने अपनी कॉर्पोरेट जॉब छोड़ दी, इससे उनकी मां बहुत नाराज हुईं। सयानी ने %साइरस सेज% कार्यक्रम में बातचीत के दौरान बताया कि एक्टिंग की पढ़ाई के लिए जब उन्होंने एफटीआईआई में दाखिला लिया तो उनकी मां ने एक महीने तक उनसे बात नहीं की। सयानी ने एफटीआईआई के उन शुरुआती दिनों को याद किया जब उन्होंने दाखिला लिया था। एक्ट्रेस ने कहा , मेरी मां ने मुझसे कहा कि मैं अपनी कलाई काट लूंगी अगर तुम वहां गई। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था। मैं बोर हो गई थी। उस एक साल मैंने पैसे तो बहुत कमाएं क्योंकि मुझे काम करना अच्छा लगता था लेकिन ये मैंने अपनी पूरी जिंदगी के लिए नहीं चुना था।

खेल समाचार

रिकार्डो फरेरा और मैन ऑफ द नाइट पर टिकी नजरें

रियाध ,22 जनवरी 2026। रिकार्डो फरेरा ने पिछले वीकेंड के सऊदी कप क्वालिफाइंग कार्ड में दबदबा बनाया और उम्मीद है कि इस शुक्रवार को किंग अब्दुलअज़ीज़ रेसकोर्स में 40,000 नॉर्थ अमेरिका कप में मैन ऑफ द नाइट के साथ जीत हासिल करेंगे। शेख अब्दुल्ला होमौद अल-मलेक अल-सबाह के उन्हीं रंगों को पहनकर, जैसा कि उन्होंने सऊदी कप क्वालिफायर और शनिवार को 2000 गिनीज़ में चार जीत में से एक के रूप में हासिल किया था, फरेरा नौ साल के अनुभवी घोड़े के साथ पार्टनरशिप करेंगे, जो पिछले फरवरी में मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर कप का विजेता था।

मालिक का प्रतिनिधित्व मुहम्मद अल-दहम के घोड़े अजवादी द्वारा 1,600 मीटर की 12 घोड़ों की फील्ड में भी किया जा रहा है, जिसमें प्रिंस फैसल बिन खालिद बिन अब्दुलअज़ीज़ के रेड स्टेबल ने सामी अलहरब द्वारा प्रशिक्षित अन्नाफेल को भेजा है, जो पिछली बार हैंडीकैप कंपनी में जीत हासिल करने के बाद ग्रेड में आगे बढ़ रहा है। 40,000 कप के लिए 1,800 मीटर की पूरी 20 घोड़ों की फील्ड घोषित की गई है, जिसमें फरेरा शेख अब्दुल्ला होमौद अल-मलेक अल-सबाह के प्रिटी फ्लैग की सवारी करेंगे, जिसकी सबसे हालिया सफलता मार्च में घरेलू ग्रुप 2 प्रिंस सुल्तान बेन अब्दुलअज़ीज़ कप में मिली थी। रेड स्टेबल का प्रतिनिधित्व अल अब्जार और टॉप-रेटेड अल्मान द्वारा किया जा रहा है, जबकि प्रतिद्वंद्वी किंग अब्दुल्ला बिन अब्दुलअज़ीज़ के व्हाइट स्टेबल के भी दो धावक हैं, जिनका नाम इलेक्टेबिलिटी और कैमिलो ओस्पिना द्वारा सवार फाल खैर है। कॉज़वे पिछले वीकेंड नियोम टर्फ कप क्वालिफायर लिस्टेड प्रिंस खालिद अब्दुल्ला कप में बोलिडे पोर्टो के पीछे छठे स्थान पर रहने के बाद चैंपियन जॉकी एडेल अल-फौराइदी के तहत दौड़ में जल्दी वापसी कर रहा है। शुक्रवार को दूसरी मुख्य दौड़ 40,000 मिनिस्ट्री ऑफ मीडिया कप है जो 1,400 मीटर की छोटी दूरी पर है और फरेरा इसमें जीत हासिल कर सकते हैं क्योंकि वह रेड स्टेबल के धावक और संयुक्त टॉप-रेटेड लैटिन अमेरिका कप विजेता जहदून पर सवार होंगे। उनके 19 विरोधियों में से उनका मुख्य प्रतिद्वंद्वी व्हाइट स्टेबल के लिए अब्दुल्ला अल-फ़ेयरोज़ का घोड़ा लीलाएलेम हो सकता है, जिसकी रेटिंग समान है और वह अपने सात में से तीन रेस जीतकर अभी तक सामने नहीं आया है, लेकिन वह 1,600 मीटर से पीछे हट रहा है। ज़ेफ़ज़ाफ़ ने पिछले वीकेंड सऊदीया द्वारा स्पॉन्सर किया गया 1351 टर्फ स्प्रिंट क्वालिफायर जीता और उसकी फॉर्म बेहतर होनी चाहिए क्योंकि दूसरे स्थान पर रहा लव डी वेगा 10 घोड़ों वाली 32,000, 1,200 मीटर ओपन रेस में एक पक्का दावेदार है, जो शुक्रवार के कार्ड की शुरुआत करेगी। रेड और व्हाइट स्टेबल को 32,000 1,351 मीटर स्प्रिंट में मुकाबला करना चाहिए, जिसमें 10 में से चार घोड़े शामिल हैं, जिनमें से बाद वाले का प्रतिनिधित्व फ़ौज और पिछले वीकेंड नोवा द्वारा स्पॉन्सर किए गए रियाद डर्ट स्प्रिंट क्वालिफायर में दूसरे स्थान पर रहे जेद्दा बीच कर रहे हैं।

साइना ने भारत का नाम बैडमिंटन में वैश्विक मंच पर रखा

नई दिल्ली ,22 जनवरी 2026। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल को उनके लगभग दो दशक लंबे करियर में भारतीय बैडमिंटन को दुनिया भर में पहुंचाने के लिए बधाई दी। 2012 लंदन ओलंपिक्स की ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट, जिन्होंने आखिरी बार 2023 में बीडब्ल्यूएफ सिंगापुर ओपन में खेला था, ने सोमवार तक ऑफिशियली अपने रिटायरमेंट की घोषणा नहीं की थी, जब एक पॉडकास्ट के दौरान, पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 ने कहा कि उन्होंने अपनी शर्तों पर कोर्ट छोड़ा था और इसकी घोषणा करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। खेल में साइना के योगदान पर रोशनी डालते हुए, तेंदुलकर ने एक्स पर शेयर किया, प्रिय साइना, आपका करियर इस बात का सबूत है कि महानता एक दिन में एक बार, धैर्य, हिम्मत और लगातार कोशिश से बनती है। आपने भारतीय बैडमिंटन को दुनिया भर में पहुंचाया और दिखाया कि विश्वास, जब

तैयारी के साथ मिल जाए, तो खेल का रुख बदल सकता है। उन्होंने आगे कहा, मेडल्स से आगे आपकी सबसे बड़ी कामयाबी है। देश भर के युवा एथलीटों को यह विश्वास दिलाना कि ग्लोबल सफलता मुमकिन है। हर खेल का सफ़र आगे बढ़ता है, और जब एक दौर खत्म होता है, तो दूसरा शुरू होता है। एक ऐसा दौर जहाँ आपका अनुभव, नज़रिया और खेल के लिए प्यार कई लोगों को गाइड करता रहेगा। आपने भारतीय खेल को जो कुछ भी दिया है, उसके लिए धन्यवाद। आपका असर पीढ़ियों तक महसूस किया जाएगा।÷

5 खिलाड़ी,जिन्होंने 2 देशों के लिए खेला टी 20 वर्ल्ड कप,सूरमाओं से सजी लिस्ट

नई दिल्ली,22 जनवरी 2026। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 अब से कुछ ही दिन में शुरू होने वाला है। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में विश्व कप खेला जाएगा। इससे पहले हम आपके के लिए एक खास स्टोरी लेकर आए हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं उन 5 खिलाड़ियों के बारे में, जिन्होंने 2 देशों के लिए टी20 वर्ल्ड कप खेला है।

41 साल के दिग्गज ऑलराउंडर वेन डर मिर्वे ने साउथ अफ्रीका और नीदरलैंड्स के लिए टी20 वर्ल्ड कप खेला है। उन्होंने 2009 में साउथ अफ्रीका के लिए वर्ल्ड कप खेला था। इसके बाद 2022 और 2024 में नीदरलैंड्स के लिए। स्टार ऑलराउंडर कोरी एंडरसन को लगभग लोग जानते ही होंगे। एंडरसन पहले न्यूजीलैंड के लिए खेलते थे। उन्होंने आईपीएल भी खेल रखा है। हालांकि, कुछ समय पहले वह न्यूजीलैंड छोड़ अमेरिका में जाकर बस गए। अब एंडरसन अमेरिका के लिए क्रिकेट खेलते हैं। 2016 के टी20 वर्ल्ड कप में कोरी एंडरसन ने न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया था। 2024 के टी 20 वर्ल्ड कप में उन्होंने अमेरिका के लिए खेला था।

अनुभवी ऑलराउंडर डेविड वीजे ने साउथ अफ्रीका के लिए 2016 में टी20 वर्ल्ड कप खेला था। इसके बाद 2021 और 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में वह नामीबिया के लिए खेले थे।

डर्क नैनेस ने 2009 में ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 वर्ल्ड कप खेला था। इसके बाद 2010 और 2014 में उन्होंने नीदरलैंड्स के लिए वर्ल्ड कप खेला था।

मार्क चैपमैन ने 2014 और 2016 में हांगकांग के लिए टी20 वर्ल्डकप खेला था। इसके बाद 2021, 2022 और 2024 में उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टी20 वर्ल्ड कप खेला।

क्रिकेट कैलेंडर पर टी 20 का कब्जा

एशेज के बाद अब वर्ल्ड कप की बारी

मेलबर्न,22 जनवरी 2026। ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज़ खत्म होने के बाद, क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट टेस्ट क्रिकेट पर टी 20 फॉर्मेट का हावी होने में ज़्यादा समय नहीं लगा। नामीबिया में हो रहे 50-ओवर के अंडर-19 वर्ल्ड कप के अलावा, ऐसा लगता है कि जहाँ भी देखो, सिर्फ़ टी 20 टूर्नामेंट ही हो रहे हैं। इस स्थिति के दो कारण आने वाले आईसीसी पुरुष और महिला वर्ल्ड कप हैं। पुरुषों का इवेंट, जिसकी मेज़बानी भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे, 7 फरवरी को शुरू होगा, जबकि महिलाओं का टूर्नामेंट 12 जून को इंग्लैंड में शुरू होगा। महिलाओं के इवेंट में 12 टीमें होंगी, जो अब तक की सबसे ज़्यादा संख्या है, जिनमें से आठ पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं। बाकी चार टीमें नेपाल में होने वाले क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही 10 टीमों में से निकलेंगी। यह 18 जनवरी को शुरू हुआ और 1 फरवरी को खत्म होगा। टीमों को पाँच-पाँच के दो ग्रुपों में बाँटा गया है और वे एक-दूसरे के साथ एक बार खेलेंगी। ग्रुप ए में बांग्लादेश, आयरलैंड, नामीबिया, पापुआ न्यू गिनी और स्कॉटलैंड हैं, जबकि ग्रुप बी में नीदरलैंड्स, नेपाल, स्कॉटलैंड, थाईलैंड और ज़िम्बाब्वे हैं। टॉप तीन टीमें सुपर सिक्स स्टेज के लिए क्वालिफाई करेंगी, जिसमें ग्रुप ए की तीन टीमें ग्रुप बी की तीन टीमों से खेलेंगी। हर ग्रुप की बाकी दो क्वालिफाइंग टीमों के खिलाफ़ हासिल किए गए पॉइंट्स आगे ले जाए जाएँगे। सुपर सिक्स के आखिर में टॉप चार टीमें जून में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।

इस प्रतियोगिता में चार सबसे ज़्यादा रैंक वाली टीमें आयरलैंड, बांग्लादेश, स्कॉटलैंड और थाईलैंड हैं। उनसे सुपर सिक्स में पहुँचने की उम्मीद है, लेकिन यह देखना बाकी है कि उनमें से हर टीम जून में होने वाले मुख्य इवेंट तक पहुँच पाएगी या नहीं। सुपर सिक्स स्टेज में थाईलैंड को आयरलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ़ शायद कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। थाई टीम अच्छी फॉर्म में है, उसने आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी जीती है और 2025 के आखिर में स्थ एशिया गेम्स में महिलाओं के क्रिकेट प्रतियोगिताओं में डबल गोल्ड मेडल जीते हैं। यह फॉर्म टूर्नामेंट में भी जारी रही, जिसमें नेपाल और ज़िम्बाब्वे के खिलाफ़ जीत हासिल की, लेकिन आगे और भी कड़ी परीक्षाएँ हैं।

टी 20 डब्ल्यूसी में बांग्लादेश की गैरहाजिरी से सियासी हलचल

नई दिल्ली ,22 जनवरी 2026। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की चेतावनी और अल्टीमेटम के बावजूद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार ने टी 20 वर्ल्ड कप को लेकर अपने रुख पर कायम रहने का फैसला किया है. बांग्लादेश ने साफ कर दिया है कि जब तक मैचों का वेन्यू भारत से बदलकर श्रीलंका नहीं किया जाता, तब तक टीम वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेगी. खिलाड़ियों के साथ अहम बैठक के बाद बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने आईसीसी पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि आईसीसी ने बांग्लादेश के साथ न्याय नहीं किया है और खिलाड़ियों की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जा रहा है. आसिफ नज़रुल के मुताबिक- सरकार, क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ी तीनों एक मत हैं कि सुरक्षा से किसी भी हालत में समझौता नहीं किया जाएगा। आसिफ नज़रुल ने साफ शब्दों में कहा- हम किसी के दबाव में नहीं झुकेंगे. दुनिया को यह भी समझना चाहिए कि अगर बांग्लादेश वर्ल्ड कप नहीं खेलेगा तो उसके क्या नतीजे होंगे. हम अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं कर सकते. बैठक के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी दोहराया कि उनका फैसला अटल है. बोर्ड का कहना है कि मौजूदा हालात में भारत जाकर खेलना सुरक्षित नहीं है और इसलिए वेन्यू बदलकर श्रीलंका किया जाना चाहिए. हालांकि दृष्टष्ट ने पहले ही साफ कर दिया है कि टूर्नामेंट के मैच भारत से बाहर नहीं ले जाए जाएंगे.

बलौदाबाजार के प्राइवेट स्टील प्लांट में ब्लास्ट,6 की मौत

5 घायल,गर्म राख से जिंदा जले मजदूर,मृतक बिहार के रहने वाले

बलौदाबाजार,22 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ में बलौदाबाजार जिले के बकुलाही इलाके में स्थित स्पंज आयरन प्लांट में हुए ब्लास्ट से अब तक 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। शुरुआती जांच में ये सामने आया है कि डस्ट सेटलिंग चैंबर से गर्म राख (ऐश) ले जा रही पाइपलाइन में लीकेज हो गया था। विस्फोट प्लांट की कोल भट्ठी (कोल किल्न) में गुरुवार सुबह करीब 9.40 बजे हुआ। ब्लास्ट के दौरान गर्म मलबा (राख) नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिरा, जिससे कई लोग झुलस गए। धमाके के बाद दूर तक धुएं का गुबार दिखा। घायलों को तत्काल भाटापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (एफ्स्ट) और स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से घायलों को बिलासपुर के बर्न ट्रीटमेंट सेंटर भेजा गया है। मृतक बिहार के रहने वाले हैं। कंपनी ने मृतकों के परिजनों को 20 लाख और घायलों को 5 लाख मुआवजा देने की घोषणा की है।

प्लांट सील,प्रबंधन से पूछताछ

मौके पर कलेक्टर दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के साथ जिला प्रशासन की टीम मौजूद रही। रियल स्टील प्लांट को सील कर दिया गया है। प्लांट प्रबंधन से पूछताछ की जा रही है। फैक्ट्री नितेश अग्रवाल की बताई जा रही है। कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि बकुलाही क्षेत्र में रियल इस्पात कंपनी में सुबह करीब 9:40 बजे बड़ा हादसा हुआ। कोल भट्ठी (कोल किल्न) के डस्ट सेटलिंग चैंबर से गर्म राख (ऐश) ले जा रही पाइपलाइन में लीकेज हो गया,जिससे गर्म राख नीचे गिर गई। इस हादसे में नीचे काम कर रहे 6 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए बिलासपुर के बर्न ट्रीटमेंट सेंटर भेजा गया है।

बिहार के रहने वाले हैं मृतक

कलेक्टर ने बताया कि घायल मजदूरों के बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर कलेक्टर से भी संपर्क किया गया है। श्रम विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची है, ताकि प्लांट प्रबंधन पर नियम अनुसार कार्रवाई की जा सके। साथ ही मृतकों के परिवारों और प्रभावित मजदूरों को उचित मुआवजा दिलाया जा सके। आधार कार्ड के माध्यम से मृत मजदूरों की पहचान कर ली गई है। सभी मजदूर बिहार के रहने वाले हैं। एसपी भावना गुप्ता ने बताया कि इस हादसे में कुल 11 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। इनमें से 6 लोगों की बर्न इंजरी से मौत हो गई। शुरुआती जांच में पता चला है कि सुबह की शिफ्ट में 50 से ज्यादा मजदूर काम पर मौजूद थे। सभी मजदूरों का एक-एक कर सत्यापन किया जा रहा है।

परिजनों को पूरा मुआवजा दिया जाएगा-प्रबंधन

वहीं प्लांट के मालिक नितेश अग्रवाल ने बताया कि रोज की तरह हाउस कीपिंग का काम चल रहा था तभी डीएससी में डस्ट मटेरियल गिरा,जो काफी गर्म रहता है। मटेरियल नीचे काम कर रहे लोगों के ऊपर गिरने से ये हादसा हो गया। प्रबंधन ने कहा कि सरकारी नियमों के साथ कंपनी की ओर से मृतकों और प्रभावितों के परिजनों को पूरा मुआवजा दिया जाएगा। स्पंज आयरन प्लांट में लौह अयस्क से स्पंज आयरन तैयार किया जाता है। यह प्रक्रिया डायरेक्ट रिडक्शन तकनीक से होती है, जिसमें कोयला या गैस की मदद से अयस्क से ऑक्सीजन हटाई जाती है। इससे बना स्पंज आयरन आगे चलकर स्टील बनाने का कच्चा माल होता है, जिसे स्टील प्लांट में भेजा जाता है।

CGMSC घोटाला...डायसिस इंडिया के मार्केटिंग हेड कुंजल शर्मा गिरफ्तार

27 जनवरी तक पुलिस रिमांड,सरकार को तीन गुना महंगे रिएजेंट सप्लाई का आरोप

रायपुर,22 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड घोटाला मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी में दर्ज अपराध के तहत डायसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नवी मुंबई के मार्केटिंग हेड कुंजल शर्मा को 21 जनवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी कुंजल शर्मा को 22 जनवरी 2026 को विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), रायपुर में पेश किया गया, जहां से उसे 27 जनवरी 2026 तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। 18 जनवरी 2026 को CGMSC घोटाला मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो/आर्थिक अपराध शाखा ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले दुर्ग स्थित मोक्षित कॉरपोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों में रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स प्रा.लि.,पंचकुला के डायरेक्टर अभिषेक कौशल,श्री शारदा इंडस्ट्रीज रायपुर के प्रोप्राइटर राकेश जैन और रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स के लाइजनर प्रिंस जैन (शशांक चोपड़ा का जीजा) शामिल हैं। इन्होंने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर भरा था।

आरोपी 27 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर : गिरफ्तार आरोपियों को 19 जनवरी को स्पेशल कोर्ट (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), रायपुर में पेश किया गया, जहां से उन्हें 27 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। ब्यूरो ने बताया कि जनहित से जुड़ी

'हमर लैब योजना' में शासकीय धन के दुरुपयोग से जुड़े सभी पहलुओं की जांच जारी है। साक्ष्यों के आधार पर आगे भी दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कंपनी पॉलिसी नजरअंदाज कर बढ़ाई गई कीमतें : जांच में सामने आया है कि डायसिस कंपनी ने मेडिकल उपकरणों के रिएजेंट्स और कंज्यूमेबल्स के लिए निश्चित एमआरपी तय कर रखी थी। इसके बावजूद आरोपी कुंजल शर्मा ने मोक्षित कॉर्पोरेशन को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कंपनी की पॉलिसी को दरकिनार किया।

शशांक चोपड़ा के साथ रची साजिश : आरोप है कि कुंजल शर्मा ने शशांक चोपड़ा के साथ मिलकर षड्यंत्रपूर्वक तय एमआरपी से कहीं अधिक दरों और शर्तों को छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन को डायसिस कंपनी की ओर से अनधिकृत रूप से भेजा।

नवा रायपुर में 680 करोड़ की लागत से बनेगा 300 बिस्तरों का बॉम्बे हॉस्पिटल

स्वास्थ्य सेवाओं के साथ युवाओं को मिलेगा रोजगार,नवा रायपुर बनेगा सेंट्रल इंडिया का हेल्थकेयर हब : सीएम साय

रायपुर, 22 जनवरी 2026। नवा रायपुर को देश के प्रमुख हेल्थकेयर हब के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में देश के प्रतिष्ठित बॉम्बे हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर और नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के मध्य 15 एकड़ भूमि के लीज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता नवा रायपुर में प्रस्तावित मेडिसिटी के विकास को नई गति देगा। यह परियोजना न केवल राज्य के हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करेगी, बल्कि निवेश के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की तेज और भरोसेमंद प्रशासनिक कार्यप्रणाली का भी उदाहरण बनेगी। राज्य सरकार द्वारा 24 सितंबर 2025 को निवेश आमंत्रण जारी किए जाने के बाद मात्र चार माह के भीतर भूमि चिन्हांकन,आवश्यक स्वीकृतियां और रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कर ली गई, जो अपने आप में एक नया बेंचमार्क है। नवा रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आबंटित 15 एकड़ भूमि पर बॉम्बे हॉस्पिटल ट्रस्ट द्वारा लगभग 680 करोड़ की लागत से 300

बिस्तरों का अत्याधुनिक मल्टी सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल स्थापित किया जाएगा। यह अस्पताल ट्रस्ट का देश में चौथा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल होगा। इससे पूर्व मुंबई, इंदौर और जयपुर में ट्रस्ट के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। बॉम्बे हॉस्पिटल के माध्यम से कार्डियक साइंसेज,कैंसर उपचार,न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, क्रिटिकल केयर, ऑर्गन ट्रांसप्लांट सहित कई उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके प्रारंभ होने से छत्तीसगढ़ और आसपास के राज्यों के मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मुंबई या दिल्ली जैसे महानगरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इस परियोजना से 500 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है, जिनमें डॉक्टर, सर्जन, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और मेडिकल टेक्नीशियन शामिल होंगे। इसके साथ ही हेल्थकेयर सप्लाई चेन, सेवाओं और सहयोगी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अप्रत्यक्ष रोजगार भी उत्पन्न होंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को उल्लेखनीय प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि बॉम्बे हॉस्पिटल की स्थापना से नवा रायपुर में मेडिसिटी का सपना साकार होने की दिशा में निर्णायक कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के नागरिकों को अपने ही राज्य में विश्वस्तरीय सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के निरंतर विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।

बॉम्बे हॉस्पिटल जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का नवा रायपुर में निवेश करना राज्य की नीतिगत स्थिरता, तेज निर्णय क्षमता और निवेशक-अनुकूल वातावरण पर विश्वास का प्रमाण है।यह परियोजना छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के अंतर्गत स्वास्थ्य जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को दिए जा रहे विशेष प्रोत्साहनों और समयबद्ध क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष परिणाम है। इससे नवा रायपुर को सेंट्रल इंडिया के प्रमुख हेल्थकेयर डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में सहायता मिलेगी।

बंदर ने 15 दिन की बच्ची को मां की गोद से छीनकर कुएं में फेंका,डायपर बना जीवनरक्षक

जांजगीर-चांपा,22 जनवरी 2026। जिले के सिवनी गांव में गुरुवार को एक ऐसी घटना सामने आई जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। घर के आंगन में

मां की गोद में बैठी 15 दिन की नवजात बच्ची को एक बंदर अचानक झपट्टा मारकर उठा ले गया और पास स्थित खुले कुएं में फेंक दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,सब कुछ इतनी तेजी से हुआ कि मां कुछ समझ पाती,उससे पहले ही बंदर बच्ची को लेकर भाग चुका था। जैसे ही बच्ची कुएं में गिरी, मां की चीख सुनकर ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े और गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत कुएं में उतरकर रेस्क्यू शुरू किया। करीब 10 से 15 मिनट की मशक्कत के बाद बच्ची पानी में दिखाई दी और उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बताया जा रहा है कि बच्ची ने डायपर पहना हुआ था, जिससे वह पानी में पूरी तरह डूबने से बच गई और उसकी जान बच सकी। कुएं से बाहर निकालते ही मासूम को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के अनुसार समय पर रेस्क्यू होने से बच्ची की जान बच गई है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है और किसी गंभीर चोट की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है और पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। लोगों ने प्रशासन से बंदरों पर नियंत्रण और खुले कुओं को सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

तंजानिया गोल्ड माइन में निवेश का झांसा रायपुर के दो व्यवसायियों से करोड़ों की ठगी

रायपुर,22 जनवरी 2026। राजधानी रायपुर में एक कॉनमैन ने तंजानिया की गोल्ड माइन में निवेश का झांसा देकर दो व्यवसायियों से करोड़ों रुपये की ठगी की है। आरोपी ने खुद को सोने

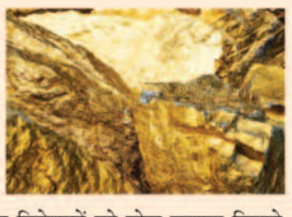

की खदान का मालिक बताकर निवेशकों को मोटा मुनाफा दिलाने का लालच दिया। पीड़ित व्यवसायी समर्थ बरडिया और मुकुल चोपड़ा ने बताया कि यश शाह नामक आरोपी ने उन्हें एस.के.एम. बुलियन ट्रेडिंग लिमिटेड नामक फर्म के जरिए भारत और तंजानिया के बैंक खातों में भारी रकम ट्रांसफर कराई। जांच में खुलासा हुआ कि तंजानिया के कानून के अनुसार विदेशी नागरिक सीधे गोल्ड माइन के मालिक या भागीदार नहीं बन सकते। आरोपी ने निवेश पाने के लिए फर्जी दस्तावेज और कूटरचित फर्म का सहारा लिया। साथ ही, पीड़ितों की जानकारी के बिना विदेशी खाते से 70 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग 58 लाख रुपये) भी निकाल लिए गए।

हरियाणा में बैठकर छत्तीसगढ़ में चला रहे थे ऑनलाइन सट्टा,पुलिस ने छापा मार कर 5 को दबोचा,खातों में मिला 8 करोड़ का बैंक ट्रांजेक्शन

खैरागढ़,22 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ पुलिस की लगातार कार्रवाई के चलते सट्टा कारोबारियों ने सट्टा ऐप का नाम बदल दिया है और जगह भी बदल दी है। खैरागढ़ जिले की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुये ऐसे ही ऑनलाइन सट्टा खिला रहे पांच सटोरियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी हरियाणा में बैठकर छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन सट्टा-जुआ का संचालन कर रहे थे। इतना ही नहीं पुलिस को चकमा देने के लिए इनके द्वारा शिवा बुक का नाम बदलकर 100 पैनल व फेयर प्ले के नाम से ऑनलाइन बैटिंग एप चलाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 8 करोड़ का बैंक ट्रांजेक्शन का रिकार्ड जब्त किया है।

पूर्व में पकड़े गए सटोरियों से मिला सुराग : दरअसल, जिले में अवैध गतिविधियों व जुआ सट्टा पर कार्रवाई लगातार जारी है। पूर्व में थाना छुईखदान क्षेत्र में ऑनलाईन जुआ खेलने वाले

व्यक्ति के विरूद्ध अपराध 187/25 धारा 6,7 छ ग जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 कायम किया गया था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 8 आरोपियों को आनलाईन गेमिंग एप के माध्यम से जुआ सट्टा का संचालन करते गिरफ्तार किया। पूछताछ में और भी आरोपियों का नाम सामने आया था। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी जिनके बारे में पुख्ता जानकारी गुरुग्राम, हरियाणा में होना पाया गया। पुलिस टीम केसीजी द्वारा लगातार सघन जांच व तलाशी के बाद आरोपियों को मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में गेमिंग ऐप संचालित करते दबोचा गया।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

1. देवेंद्र सिंह पिता ओंकार सिंह उम्र 30 वर्ष पता शांति नगर भिलाई
2. हर्ष प्रजापति पिता संतोष प्रजापति उम्र 22 वर्ष पता वार्ड क्रमांक 16 गदा चैक सुपेला भिलाई
3. राजा मुखिया पिता विनोद मुखिया उम्र 28 वर्ष पता ग्राम धमसायोंन जिला दरभंगा बिहार
4. मोतीलाल श्रीवास पिता बजरंग श्रीवास उम्र 24 वर्ष पता ग्राम मंद्रगोढ़ी जिला शक्ति
5. उमेश मुखिया पिता डोमी मुखिया उम्र 32 वर्ष पता ग्राम धमुवारा जिला दरभंगा बिहार

पूछताछ में हुआ ये खुलासा

पूछताछ करने पर आरोपियों ने ऑनलाईन सट्टा गेमिंग ऐप संचालित कर सट्टा खिलाना स्वीकार किया। पुलिस को गुमराह करने व बचने के लिये ये शिवा बुक का नाम बदलकर 100 पैनल व फेयर प्ले के नाम से ऑनलाईन बैटिंग एप चला रहे थे।

ऑनलाइन सट्टा का सेटअप जब्त

आरोपियों के कब्जे से नगदी रकम 22,000 रू व बैंक खतों में 91,175 रूपये कुल 11,3175 नगदए 19 नग मोबाइल फोन, 2 नग लैपटापए 3 नग एटीएम कार्ड, 1 नग वाई फाई राउटर, 14 नग सिम कार्ड जुमला कीमती 4,98175 रुपये जब्त किया गया। आरोपियों द्वारा आनलाईन जुआ सट्टा खेलाने में प्रयुक्त बैंक खातों की जांच करने पर लगभग 8 से 10 करोड़ का लेनदेन करना पाया गया। आरोपियों के विरुद्ध अपराध करने का पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने से उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। प्रकरण के विवेचना के आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

CG-SI नियुक्ति रद्द...आबकारी उप निरीक्षक पद पर जारी आदेश निरस्त,तकनीकी कारण बने वजह

रायपुर,22 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ में आबकारी विभाग से जुड़ा एक अहम प्रशासनिक फैसला सामने आया है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2024 के तहत आबकारी उप निरीक्षक पद पर जारी की गई नियुक्ति को तकनीकी कारणों के चलते तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। इस निर्णय से चयनित अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है, वहीं आयोग की चयन प्रक्रिया पर भी सवाल उठने लगे हैं। राजधानी रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, CGPSC द्वारा राज्य सेवा परीक्षा-2024 की चयन सूची जारी होने के बाद विभिन्न विभागों में नियुक्ति आदेश जारी किए गए थे। इसी क्रम में आबकारी विभाग में उप निरीक्षक पद पर भी अभ्यर्थियों को

नियुक्ति दी गई थी। हालांकि अब संबंधित विभाग ने इन नियुक्ति आदेशों को निरस्त करने का आदेश जारी कर दिया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय तकनीकी कारणों के चलते लिया गया है, हालांकि इन कारणों का विस्तृत विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। सूत्रों की मानें तो चयन प्रक्रिया, पदों की संख्या, आरक्षण रोस्टर या दस्तावेज सत्यापन से जुड़ी किसी त्रुटि के कारण यह कदम उठाया गया हो सकता है। प्रशासनिक स्तर पर यह भी चर्चा है कि भविष्य में किसी कानूनी जटिलता से बचने के लिए समय रहते नियुक्ति को रद्द किया गया है। इस फैसले से चयनित अभ्यर्थियों में निराशा का माहौल है। जिन उम्मीदवारों को पहले ही नियुक्ति आदेश मिल चुके थे,वे अब अपने भविष्य को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। कई अभ्यर्थियों ने कहा कि वर्षों की मेहनत के बाद मिली सफलता के बावजूद नियुक्ति निरस्त होना मानसिक तनाव का कारण बन गया है वहीं, इस पूरे घटनाक्रम ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राज्यपाल के आदेश पर इस विश्वविद्यालय के कुलसचिव तत्काल प्रभाव से हटाए गए

रायपुर, 22 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल एवं कुलाधिपति के आदेश पर महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय,पाटन (दुर्ग) के प्रथम कुलसचिव आर.एल. खरे को उनके दायित्व से तत्काल प्रभाव से मुक्त कर दिया गया है। राज्यपाल सचिवालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार आर.एल. खरे को कुलसचिव के दायित्व निर्वहन हेतु पूर्व में

जारी आदेश को निरस्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के अनुमोदन से की गई है। आदेश 2 जनवरी 2026 से प्रभावशील माना जाएगा। आदेश की प्रति कृषि उत्पादन आयुक्त,छत्तीसगढ़ शासन,कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग,विश्वविद्यालय के कुलपति,कुलसचिव सहित संबंधित अधिकारियों को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है। इस आदेश के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन में नए कुलसचिव की नियुक्ति को लेकर आगे की प्रक्रिया शुरू किए जाने की संभावना है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)